राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 08 जून 2023 वर्ष–6,अंक–134 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सचिन पायलट अभी और 'खेल' दिखाएंगे, गहलोत और कांग्रेस के लिए बढ़ाएंगे मुश्किल?

राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम के समर्थकों कहना कि पायलट नई पार्टी नहीं बनाएंगे। लेकिन अभी खेल दिखाना जारी रखेंगे। पायलट समर्थकों ने 11 जून को नई पार्टी का गठन करने की खबरों को खंडन किया है।

जयपुर। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम के समर्थकों कहना कि पायलट नई पार्टी नहीं बनाएंगे। लेकिन अभी खेल दिखाना जारी रखेंगे। पायलट समर्थकों ने 11 जून को नई पार्टी का गठन करने की खबरों को खंडन किया है। पायलट समर्थकों का कहना है कि 11 जून को पायलट के पिता स्वर्गीय राजेश पायलट की पुण्यतिथि है। इस मौके पर सचिन पायलट अपने पिता की कर्मभूमि दौसा में बड़ा आयोजन करते रहे हैं। इसे शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जाता रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सचिन पायलट भले ही नई पार्टी का गठन नहीं कर रहे हो, लेकिन सचिन पायलट विधानसभा चुनाव तक सीएम अशोक गहलोत और कांग्रेस आलाकमान के लिए मुश्किलें बढ़ाएंगे। प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने नई पार्टी के गठन की खबरों का खंडन किया है।

11 जून को दौसा में करेंगे शक्ति प्रदर्शन –बता दें 11 जून को राजेश पायलट की पुण्यतिथि है। ऐसे में नई पार्टी के गठन के कयास लगाए जा रहे थे। लेकिन पायलट कैंप के मंत्री मुरारी लाल मीना ने साफ कर दिया है कि पायलट नई पार्टी नहीं बनाएंगे। हम कांग्रेस के सिपाही है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि सचिन पायलट 11 जून को क्या करेंगे अब सबकी निगाहें इस पर हैं. क्या पायलट नई पार्टी बनाएंगे या फिर अशोक गहलोत और कांग्रेस हाईकमान को आखिरी अल्टीमेटम देंगे। हालांकि अभी तक पार्टी के ऐलान को लेकर पायलट कैम्प की खास तैयारी नहीं है. लेकिन 11 जून को दौसा में अपने

पिता राजेश पायलट की समाधि स्थल पर पायलट बड़ा कार्यक्रम कर शक्ति प्रदर्शन कर सकते हैं।

पायलट कांग्रेस आलाकमान को देंगे संदेश –सियासी जानकारों का कहना है सचिन पायलट इस कार्यक्रम के जरिए सीएम अशोक गहलोत को अपनी ताकत दिखाना चाहते हैं। माना जा रहा है कि पायलट अपने लिए अभी से समर्थन जुटाने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं। इसके साथ ही कांग्रेस आलाकमान को भी इशारा है कि अगर राजस्थान को लेकर फैसले में अब और देरी की जाती है, तो वो भी फैसला लेने के लिए स्वतंत्र हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सचिन पायलट राजस्थान कांग्रेस का सबसे आकर्षक चेहरा हैं और उनकी जनसभाओं में बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी रहती है। वो जनता के बीच जाकर मुख्यमंत्री की रेस में खुद को इकलौते नेता के तौर पर दिखाने की कोशिश करेंगे।

पीएम मोदी की डिग्री पर घिरे केजरीवाल को अदालत से बुलावा, क्यों नहीं जाएंगे दिल्ली के सीएम

अहमदाबाद। पीएम मोदी की डिग्री से जुड़े मानहानि केस में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और राज्यसभा सांसद संजय सिंह को आज अहमदाबाद कोर्ट में तलब किया गया था। हालांकि, आम आदमी पार्टी (आप) के दोनों नेता कोर्ट में पेश नहीं होंगे। आप की गुजरात यूनिट की ओर से एक आवदेन दायर करके उन दस्तावेजों की मांग की जाएगी जिसके आधार पर केजरीवाल और सिंह को मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में तलब किया गया था। पीएम मोदी की डिग्री को लेकर कथित अपमानजनक बयानों के खिलाफ गुजरात यूनिवर्सिटी ने याचिका दायर की थी। गुजरात आप लीगल सेल के प्रमुख प्रणव ठक्कर ने कहा कि दोनों नेता बुधवार को कोर्ट में पेश नहीं होंगे, बल्कि एक आवदेन दायर करके केस से जुड़े दस्तावेजों की मांग की जाएगी। ठक्कर ने कहा, हमें समन की एक कॉपी मिली है। हम उन दस्तावेजों की मांग करेंगे जिनके आधार पर मुकदमा किया गया है। लीगल टीम कोर्ट को बताएगी कि दस्तावेज मिलने के बाद आप नेता सुनवाई के लिए हाजिर होंगे। कोर्ट ने केजरीवाल और संजय सिंह को पहली बार 15 अप्रैल को समन भेजा था। दोनों को 23 मई तक हाजिर होने को कहा गया था। इसके बाद दोबारा समन जारी करते हुए 7 जून को बुलाया गया था। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया पाया कि आईपीसी की धारा 500 (आपराधिक मानहानि) के तहत केस बनता है और इसके बाद नेताओं को समन जारी किया गया। गुजरात यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार पीयूष पटेल ने आप नेताओं के खिलाफ केस दर्ज किया था। पीएम मोदी की डिग्री को लेकर सीआईसी के आदेश को हाईकोर्ट से खारिज किए जाने के बाद दोनों नेताओं ने टिप्पणी की थी।

ग्लोबल सिटी में दौड़ेगी रैपिड मेट्रो, 3300 करोड़ रुपए होंगे खर्च

गुरुग्राम। एक हजार एकड़ में बन रही ग्लोबल सिटी में रैपिड मेट्रो भी दौड़ेगी। हरियाणा राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) ने योजना तैयार कर ली है। इस परियोजना पर करीब 3300 करोड़ रुपये खर्च होंगे। रूट और स्टेशन तय करने के लिए सर्वे किया जाएगा। ग्लोबल सिटी को दो चरणों में विकसित किया जा रहा है। पहले चरण का काम शुरू हो चुका है। एक हजार एकड़ जमीन गुरुग्राम के सेक्टर-36बी और सेक्टर-37बी में आती है। एचएसआईआईडीसी के अनुसार पूरी जमीन पर किसी तरह का कोई विवाद नहीं है। वहीं, रैपिड मेट्रो के निर्माण का काम दूसरे चरण में वर्ष 2026 में शुरू होगा। सिटी के अंदर घूमने के लिए रैपिड मेट्रो का निर्माण होगा। अधिकारियों के अनुसार जल्द ही योजना तैयार होगी। रैपिड मेट्रो के चलने से ग्लोबल सिटी में रहने वाले लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। इसके अलावा ग्लोबल सिटी के पास एमआरटीएस का डिपो बनेगा। अंतरराज्यीय बस अड्डा और हेलीहब भी सिही गांव की जमीन पर बनाने की योजना है। इस पर भी तेजी से काम किया जाएगा।

यूटिलिटी टनल पांच मीटर चौड़ी बनाई जाएगी–एचएसआईआईडीसी ग्लोबल सिटी के पहले चरण में 570 एकड़ जमीन में मूलभुत सुविधाओं के लिए 930 करोड़ रुपये खर्च करेगा।

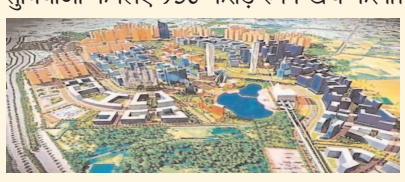

इसके लिए योजना तैयार की गई है। सिटी में विश्व स्तर की सुविधा उपलब्ध होगी। इसमें पांच मीटर चौड़ी यूटिलिटी टनल का बनाई जा रही है। इसमें बिजली के तार, पानी आपूर्ति, फाइबर केबल सहित लाइन गुजरेगी। भविष्य में दिक्कत होने पर बिना खोदे ही फॉल्ट को ठीक किया जाएगा। जबकि सिर्फ सीवर की लाइन अलग से गुजरेगी। इसके अलावा सिटी में जल प्रशोधन संयंत्र, दमकल स्टेशन, अस्पताल, सोलर पैनल, स्कूल, कॉलेज और पार्किंग की सुविधा होगी।

ट्रैफिक के लिए 50 दिन बंद रहेगा सरिता विहार फ्लाईओवर, पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के सरिता विहार फ्लाईओवर पर बुधवार से मरम्मत कार्य शुरू किया। इसके चलते 50 दिनों तक अलग-अलग चरणों में फ्लाईओवर को बंद किया। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों को वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की एडवाइजरी के अनुसार, शुरुआत में दिल्ली से फरीदाबाद जाने की दिशा में फ्लाईओवर 25 दिन बंद रहेगा। बाकी के 25 दिन फरीदाबाद से आश्रम आने की दिशा में पुल बंद रहेगा। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, सरिता विहार फ्लाईओवर का इस्तेमाल रोजाना लाखों वाहन करते हैं। यहां व्यस्त समय में वाहनों को काफी दबाव रहता है। ट्रैफिक पुलिस का मानना है कि मरम्मत कार्य के चलते यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को कुछ दिन परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, एयरपोर्ट एवं अस्पताल जाने वाले अतिरिक्त

समय लेकर अपनी यात्रा की योजना बनाएं। साथ ही पुलिस का कहना है कि आवश्यकता पड़ने पर भारी वाहनों को मथुरा रोड पर प्रतिबंधित किया जा सकता है वैकल्पिक मार्ग आश्रम से बदरपुर जाने वाले (7 जून से 1 जुलाई तक)- आश्रम से बदरपुर बॉर्डर एवं फरीदाबाद जाने वाले सरिता विहार फ्लाईओवर के स्लिप रोड से रोड नंबर 13 ए का इस्तेमाल करें। इसके बाद मथुरा रोड पर लौटने के लिए रोड नंबर 13 ए से यू टर्न लें। बदरपुर से आश्रम जाने वाले (2 से 26 जुलाई तक)- मथुरा रोड के रास्ते फरीदाबाद एवं बदरपुर से आश्रम जाने वाले सरिता विहार फ्लाईओवर के स्लिप रोड से ओखला एस्टेट मार्ग, क्राउन प्लाजा की तरफ मुड़कर एमबी रोड के रास्ते मथुरा रोड पर पहुंचे।

16 हजार से ज्यादा हार्ट सर्जरी करने वाले डॉक्टर गौरव गांधी को दिल ने दिया धोखा, 41 की उम्र में मौत

अहमदाबाद। गुजरात के फेमस कार्डियोलॉजिस्ट गौरव गांधी का निधन हो गया है। 16 हजार से अधिक हार्ट सर्जरी करने वाले गौरव गांधी को दिल ने धोखा दे दिया। गौरव की हार्ट अटैक से मौत हो गई है। जामनगर के रहने वाले गौरव गांधी महज 41 साल के थे। दूसरों के दिल का इलाज करने वाले डॉक्टर की हार्ट अटैक से मौत ने लोगों को गम के साथ हैरत में डाल दिया है। गौरव गांधी हर दिन की तरह अस्पताल जाने के लिए तैयार थे। तभी अचानक उन्हें सीने में तेज दर्ज हुआ। उन्हें तुरंत जीजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। गौरव गांधी की मौत की सूचना मिलते ही अस्पताल में

बड़ी संख्या में लोग जुट गए। उनके बहुत से मरीज भी अस्पताल के बाहर पहुंचे और उन्हें नया जीवन देने वाले डॉक्टर की मौत पर रोते हुए दिखे। गौरव गांधी ने जामनगर से ही एमबीबीएस और फिर एमडी की डिग्री ली थी। इसके बाद कार्डियोलॉजी की पढ़ाई अहमदाबाद जाकर की। वह जामनगर में ही रहकर लोगों को इलाज करने लगे। कुछ ही समय में उनकी गिनती सौराष्ट्र के सबसे अच्छे डॉक्टरों में होने लगी। मरीजों को उनपर बहुत ज्यादा भरोसा था। कुछ ही सालों में उन्होंने 16 हजार से ज्यादा लोगों की हार्ट सर्जरी की थी।

मालगाड़ी से टकराने से पहले ही डीरेल हो गई थी कोरोमंडल एक्सप्रेस?

नई दिल्ली। कोरोमंडल ट्रेन हादसे की जांच चल रही है। जांच के दौरान कई तरह की बातें निकलकर सामने आ रही हैं। हालांकि जब तक पूरी जांच होने के बाद रिपोर्ट तैयार नहीं होती तब तक असली वजह के बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। जांच में शामिल एक सीनियर रेलवे इंजीनियर का कहना है कि मालगाड़ी से टकराने से पहले ही ट्रेन पटरी से उतर गई थी। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि सिग्नल देने में कोई गड़बड़ी नहीं

हुई थी। इंजीनियर जॉइंट इंस्पेक्शन रिपोर्ट बनाने में शामिल थे। इंस्पेक्शन रिपोर्ट में कहा गया था कि सिग्नल फेल्योर हुआ था जबकि इंजीनियर का कहना है कि डेटालॉगर रिपोर्ट बताती है कि सिग्नल लूप लाइन की ओर नहीं बल्कि मेल लाइन की ओर ही था। रेल मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि अगर अलग-अलग विभागों में मतभेद है तो यह कोई बड़ी बात नहीं है। शुरुआती जांच में ऐसा होता है। सबके मत अलग होते हैं। बता दें कि डेटालॉगर एक माइक्रोप्रोसेसर बेस्ड सिस्डम होता है जो कि रेलवे के सिग्नलिंग सिस्टम को मॉनिटर करता है। यह डेटा को स्कैन, स्टोर और प्रॉसेस कर सकता है और इसकी मदद से रिपोर्ट तैयार की जा सकती है। सिग्नल्स ऐंड कम्युनिकेशन बालासोर के सीनियर सेक्शन इंजीनियर एक महंता ने अपने सिंगल पेज नोट में अन्य लोगों से अलग विचार रखे। जॉइंट इंस्पेक्शन रिपोर्ट में कहा गया है कि पॉइंट नंबर 17 लूप लाइन की ओर सेट था। इसे रिवर्स कंडीशन कहते हैं। वहीं अगर यह नॉर्मल होता तो पॉइंट मेन लाइन की ओर सेट होता। रिपोर्ट में कहा गया कि पॉइंट 17 ए से ही कोरोमंडल एक्सप्रेस लूप लाइन की ओर चली गई। वहां महंता का कहना है कि वह इस बात से सहमत नहीं हैं कि पॉइंट लूप लाइन की ओर सेट था। उनका कहना है कि ट्रेन के पटरी से उतरने के बाद यह लूप लाइन की ओर सेट हुआ होगा।

महाराष्ट्र का इस शहर में भाजपा-शिवसेना की नहीं बनती, अब एकनाथ शिंदे के पोस्टर से देवेंद्र फडणवीस गायब

मुंबई। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना में तनातनी की अटकलों के बीच विवाद अब और बढ़ता नजर आ रहा है। अब डोंबिवली में लगा एक पोस्टर चर्चा में हैं, जहां मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तो हैं, लेकिन डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की तस्वीर गायब है। दरअसल, बुधवार को दीवा में सीएम शिंदे विकास कार्यों के उद्घाटन के लिए आ रहे हैं। कहा जाता है कि दीवा में शिवसेना और भाजपा के बीच कभी नहीं बनी।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ठाणे के पूर्व डिप्टी मेयर रमाकांत माधवी और शिंदे समूह के दीवा प्रमुख की तरफ एक पोस्टर लगाया गया है। नजर आ रहा है कि दिवंगत बाल ठाकरे और आनंद दीघे, सीएम शिंदे और उनके बेटे सांसद श्रीकांत शिंदे की फोटो लगी हुई है। यहां डिप्टी सीएम फडणवीस के साथ-साथ शिंदे के करीबी माने जाने वाले कैबिनेट मंत्री और भाजपा नेता रविंद्र चव्हाण की तस्वीर भी गायब है।

दीवा में कभी साथ नहीं आए भाजपा-शिवसेना

रिपोर्ट में माधवी के हवाले से लिखा गया कि यह साफ है कि दीवा में भाजपा और शिवसेना कितने करीब हैं। उन्होंने कहा कि न्योता देने के बाद भी भाजपा नहीं आएगी।

कहा जाता है कि ठाणे नगर निगम में भाजपा-शिवसेना गठबंधन में होने के बाद भी दीवा शहर में दोनों पार्टी के कार्यकर्ता कभी एकसाथ नहीं आए। दोनों दलों के सदस्यों के बीच तकरार चलती रहती है।

चुनाव से पहले तनाव?

खबरें हैं कि डोंबिवली में भी भाजपा और शिवसेना के बीच दरार पड़ती नजर आ रही है। चव्हाण के करीबी माने जाने भाजपा नेता नंदू जोशी के खिलाफ दर्ज मामले को इसकी वजह माना जा रहा है। इसके अलावा कल्याण लोकसभा सीट से भाजपा चुनाव में उतरने की तैयारी कर रही है, जिसकी वजह से विवाद और गहरा रहा है।

22 लोकसभा सीटों पर साथ लड़ने की तैयारी

शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना पहले ही साफ कर चुकी है कि पार्टी भाजपा के साथ मिलकर उन 22 सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ने जा रही है, जहां 2019 में अविभाजित शिवसेना मैदान में थी। शिवसेना सांसद राहुल शेवाले ने जानकारी दी थी कि सीएम शिंदे ने इसे लेकर समीक्षा बैठक भी की थी। बीते साल जुलाई में अविभाजित शिवसेना के 19 में से 12 सांसद शिंदे को समर्थन दे चुके थे। बाद में यह संख्या बढ़कर 13 हो गई थी।

संपादकीय

जीवंत भारतीय लोकतंत्र

व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी जॉन किर्बी ने भारतीय लोकतंत्र की सराहना करते हुए जो कुछ कहा है, वह न सिर्फ स्वागत-योग्य है, बल्कि इससे उन तमाम भारत विरोधी देशों की आंखें खुल जानी चाहिए, जो रह-रहकर दुनिया के इस सबसे विशाल लोकतंत्र और इसकी शासन-व्यवस्था पर उंगलियां उठाते रहते हैं। किर्बी ने तो यहां तक कह दिया कि जिन्हें संदेह हो, वे दिल्ली घूमकर इसकी तस्दीक कर लें। वैसे तो भारत को किसी के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है, पर हिन्दुस्तानी जम्हूरियत कितनी जीवंत है, इसका पता इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि आजादी के बाद से आज तक यहां सत्ता का हस्तांतरण हर बार शांतिपूर्ण तरीके से और पूरी गरिमा के साथ हुआ है। यही नहीं, यहां के मतदाताओं की परिपक्वता की एक बानगी यह भी है कि राजधानी दिल्ली में ही मुल्क की निजामत के लिए जब उन्होंने भाजपा के अटल बिहारी वाजपेयी को चुना था, तब सूबे की कमान कांग्रेस की शीला दीक्षित को सौंपी थी। आज भी इसी क्रम में दो विरोधी सियासी जमातों के नरेंद्र मोदी और अरविंद केजरीवाल पदारूढ़ हैं। भारतीय लोकतंत्र 75 वर्षों का अपना सफर पूरा कर चुका है और दुनिया आज यदि इसकी परिपक्वता व समावेशिता को सलाम कर रही है, तो इसका बहुत बड़ा श्रेय हमारे पुरखों द्वारा सौंपी गई उस पवित्र पुस्तक को जाता है, जिसे हम संविधान कहते हैं। इस पुस्तक ने समाज के हाशिये पर जीने वाले और महलों में पैदा नागरिकों में कोई फर्क नहीं रहने दिया। बीते 75 वर्षों में हाशिये के समाजों ने शासन के केंद्र में अपनी कैसी गरिमामयी जगह बनाई है, राष्ट्रपति दौपदी मुर्मु उसकी सबसे बड़ी प्रतीक हैं। इन साढ़े सात दशकों में सत्ताएं बदलीं, शासक बदले, मगर एक छोटे-से अंतराल को छोड़ दें, तो देश के राजनीतिक नेतृत्व ने पक्ष-प्रतिपक्ष की भूमिका में यहां लोकतंत्र की जड़ों को सींचने का ही काम किया। इसी का नतीजा है कि हमारे पड़ोस के छोटे-छोटे देश जब इस शासन प्रणाली को संभालने में नाकाम दिखते हैं, तब हम एक लैंपपोस्ट की तरह हैं। मगर निष्पक्ष न्यायपालिका, स्वायत्त संस्थाओं के बावजूद हमें एक आदर्श लोकतंत्र बनने के लिए अभी लंबा सफर तय करना है। लोकतंत्र की सफलता सिर्फ चुनावी जनादेश के आधार पर सत्ता हस्तांतरण में निहित नहीं है। उसकी कामयाबी आखिरी आदमी की आवाज सुनने और उसे त्वरित न्याय देने में है। इस कसौटी पर खरा उतरना आसान नहीं है। हम इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि दुनिया के बड़े देश जब हमारी तारीफ के पुल बांधते हैं, उसी वक्त कई अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टें हमें यह भी जताती हैं कि किन-किन मामलों में कितने सुधार की दरकार है। निस्संदेह, हमारे पास दुनिया की सबसे बड़ी गरीब आबादी है और उसके लिए भरपेट भोजन व सम्मानजनक जीवन के साधन जुटाने की प्राथमिकता एक बड़ी चुनौती है, पर हमने आजादी के इन वर्षों में अपनी उपलब्धियों से दुनिया को चौंकाया है। अमेरिका व यूरोप की तारीफों और आलोचनाओं से परे अपने लोकतंत्र को मजबूत करनेके लिए तो हमें ही खुद कदम उठाने होंगे। भारत विशाल जनसंख्या, विविध आचार-विचारों वाला देश है, इसमें अपराध भी होंगे और शिकायतें भी रहेंगी, पर लोगों को उनकी शिकायतों का संतोषजनक हल मिले, इसके लिए तंत्र को अधिकाधिक स्वायत्त और जवाबदेह कैसे बनाया जाए, इसे हम विकसित लोकतंत्रों से जरूर सीख सकते हैं। सीखना ही चाहिए!

आज का राशीफल

मेष दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृषभ जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। धन लाभ की संभावना है। प्रियजन भेंट संभव।

मिथुन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। नेत्र विकार की संभावना है। अपनों से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। खान पान में संयम रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। पिता या उच्चाधिकारी के कृपापात्र बनेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधियों का पराभव होगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

धनु व्यावसायिक योजनाओं को बल मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाणी की सौम्यता को बनाये रखना ही हितकर होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

चिंता का विषय है महासागरों में बढ़ता प्रदूषण

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

(8 जून विश्व महासागर दिवस पर विशेष)

महासागर हमारी पृथ्वी पर न सिर्फ जीवन के प्रतीक है बल्कि पर्यावरण संतुलन में भी प्रमुख भूमिका अदा करते है। पृथ्वी पर जीवन का आरंभ महासागरों से माना जाता है। महासागरो में असीम जैव विविधता का भंडार समाया है। पृथ्वी का लगभग 70 प्रतिशत भाग महासागरों से घिरा है। पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का लगभग 97 प्रतिशत जल महासागरों में समाया हुआ है। महासागरों की विशालता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यदि पृथ्वी के सभी महासागरों को एक विशाल महासागर मान लिया जाए तो उसकी तुलना में पृथ्वी के सभी महाद्वीप एक छोटे द्वीप से प्रतीत होंगे।

हर साल जून 8 को दुनिया भर में विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। 1987 में ब्रंटलैंड की एक रिपोर्ट में टिप्पणी की गयी थी की विश्व के जो महासागर हैं उन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी रिपोर्ट से प्रेरित होकर कनाडा ने विश्व महासागर दिवस मानाने का प्रस्ताव रखा। 1992 में कनाडा के इंटरनेशनल सेंटर फॉर ओशन डेवलपमेंट ने इस दिवस को मानाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के एक सम्मेलन अर्थ समिट में रखा था। 8 जून 2009 को पहला विश्व महासागर दिवस मनाया गया। इसके बाद से प्रतिवर्ष 8 जून को विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व महासागर दिवस के अवसर पर विश्व में महासागर से जुड़े विषयों पर विभिन्न आयोजन किए जाते हैं। जो महासागर के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के प्रति जागरूकता पैदा करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं।

आज जब विश्व की कुल जनसंख्या का 30 प्रतिशत तटीय क्षेत्रों में निवास करता है तो ऐसी स्थिति में महासागर उनके लिए खाद्य पदार्थों का प्रमुख स्रोत साबित हो सकते हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण होने के कारण महासागर अत्यंत उपयोगी हैं। पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व यहां उपस्थित वायुमंडल और महासागरों जैसे कुछ विशेष कारकों के कारण ही संभव हो पाया है। अपने आरंभिक काल से आज तक महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं। पृथ्वी के विशाल क्षेत्र में फैले अथाह जल का भंडार होने के साथ ही महासागर अपने अंदर व आसपास अनेक छोटे-छोटे नाजुक पारितंत्रों को पनाह देते हैं। जिससे उन स्थानों पर विभिन्न प्रकार के जीव-जंतु व वनस्पतियां पनपती हैं।

महासागर खाद्य पदार्थों का एक प्रमुख स्रोत होने के कारण हमारी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। आज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मदद से महासागरों से पेट्रोलियम सहित अनेक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों को निकाला जा रहा है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन सहित अनेक मौसमी घटनाओं को समझने के लिए समुद्रों का अध्ययन भी महत्वपूर्ण है। पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति महासागरों में ही हुई है। आज भी महासागर जीवन के लिए आवश्यक परिस्थितियों को बनाए रखने में सहायक हैं। महासागर पृथ्वी के एक तिहाई से अधिक क्षेत्र में फैले हैं। इसलिए महासागरीय पारितंत्र में थोड़ा सा परिवर्तन पृथ्वी के समूचे तंत्र को अव्यवस्थित करने का सामर्थ्य रखता है।

वर्तमान में मानवीय गतिविधियों का प्रभाव समुद्रों पर भी दिखाई देने लगा है। महासागरों के तटीय क्षेत्रों में दिनों-दिन प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। जहां तटीय क्षेत्र विशेष कर नदियों के मुहानों पर सूर्य के प्रकाश की पर्याप्तता के कारण अधिक जैव-विविधता वाले क्षेत्रों के रूप में पहचाने जाते थे। वहीं अब इन क्षेत्रों के समुद्री जल में भारी मात्रा में प्रदूषणकारी तत्वों के मिलने से वहां जीवन संकट में हैं। तेलवाहक जहाजों से तेल के रिसाव के कारण एवं समुद्री जल के मटमैला होने पर उसमें सूर्य का प्रकाश गहराई तक नहीं पहुंच पाता है। जिससे वहां जीवन को पनपने में परेशानी होती है और उन स्थानों पर जैव-विविधता भी प्रभावित होती है।

महासागरों में बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय बनता जा रहा है। अरबों टन प्लास्टिक का कचरा हर साल महासागरों में समा जाता है। आसानी से विघटित नहीं होने के कारण यह कचरा महासागरो में जस का तस पड़ा रहता है। अकेले हिंद महासागर में भारतीय उपमहाद्वीप से पहुंचने वाली भारी धातुओं और लवणीय प्रदूषण की मात्रा प्रतिवर्ष करोड़ों टन है। विषैले रसायनों के रोजाना मिलने से समद्री जैव विविधता भी प्रभावित होती है। इन विषैले रसायनों के कारण समुद्री वनस्पति की वृद्धि पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने वाले परितंत्रों में महासागर की उपयोगिता को देखते हुए यह आवश्यक है कि हम महासागरीय पारितंत्र के संतुलन को बनाए रखें तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा।

अपने आरंभिक काल से आज तक महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं। पृथ्वी के विशाल क्षेत्र में फैले अथाह जल का भंडार होने के साथ महासागर अपने अंदर व आस-पास अनेक छोटे-छोटे नाजुक पारितंत्रो को पनाह देते हैं। जिससे उन स्थानों पर विभिन्न प्रकार के जीव व वनस्पतियां पनपती हैं। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में स्थित मैन्ग्रोव जैसी वनस्पतियों से संपन्न वन समुद्र के अनेक जीवों के लिए नर्सरी का काम करते हुए विभिन्न जीवों को आश्रय प्रदान करते हैं। महासागरों में पृथ्वी का सबसे विशालकाय जीव व्हेल से लेकर सूक्ष्म जीव भी मिलते हैं। एक अनुमान के अनुसार केवल महासागर के अंदर करीब दस लाख प्रजातियां उपस्थित हो सकती हैं।

प्रशांत महासागर पृथ्वी पर सबसे बड़ा महासागर है। पृथ्वी की सतह का यह लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा है। इस महासागर की गहराई 35 हजार फुट और इसका आकार ट्राईगल यानि त्रिभुजाकार है। प्रशांत महासागर में करीब 25,000 द्वीप हैं। अटलांटिक महासागर क्षेत्रफल और विस्तार की दृष्टि से दुनिया का दूसरे सबसे बड़ा महासागर है। इसके पास पृथ्वी का 21 प्रतिशत से अधिक भाग है। अटलांटिक महासागर का आकार अंग्रेजी के 8 की संख्या के जैसा है। इस महासागर की कुछ वनस्पतियां खुद से चमकती हैं क्योंकि यहां सूर्य की रोशनी नहीं पहुंचती।

हिंद महासागर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा महासागर है। यह धरती का लगभग 14 प्रतिशत हिस्सा है। हिंद महासागर को रत्नसागर नाम से भी जाना जाता है। हिन्द महासागर इकलौता ऐसा महासागर है जिसका नाम किसी देश के नाम पर रखा गया है। अंटार्कटिका महासागरों में चौथा सबसे बड़ा महासागर है। इस महासागर को ऑस्ट्रल महासागर के नाम से भी जाना जाता है। इस महासागर में आइसबर्ग तैरते हुए देखे जाते हैं। अंटार्कटिका की बर्फीली जमीन के अंदर 400 से भी अधिक झीलें हैं। आर्कटिक महासागर पांच महासागरों में सबसे छोटा और उथला महासागर है। इसे उत्तरी ध्रुवीय महासागर भी कहते हैं। सर्दियों में यह महासागर पूर्णतः समुद्री बर्फ से ढका रहता है।

हम सांस लेने के लिए जिस ऑक्सीजन का प्रयोग करते हैं। उसकी दस फीसद मात्रा हमें समुद्र से ही प्राप्त होती है। समुद्र में मौजूद सूक्ष्म वैक्टीरिया ऑक्सीजन का उत्सर्जन करते हैं जो पृथ्वी पर मौजूद जीवन के लिए बेहद जरूरी है। समुद्र में प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण की वजह से ये वैक्टीरिया पनप नहीं पा रहे हैं। जिसके कारण समुद्र में ऑक्सीजन की मात्रा भी लगातार घट रही है। यदि हम समय रहते नहीं चेते तो यह पशु-पक्षियों के साथ-साथ इंसानों के लिए भी बहुत बड़ा खतरा बन सकता है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

सतह पर क्यों आने लगी ये अंतर्कलह

मध्य प्रदेश की राजनीति/ हेमंत पाल

मध्य प्रदेश में करीब 18 साल से भाजपा सरकार में है। इस बीच करीब सवा साल कांग्रेस की सरकार जरूर रही, पर भाजपा की सत्ता का लम्बा दौर चला। इस कार्यकाल में उमा भारती, बाबूलाल गौर के बाद 15 साल से ज्यादा समय तक शिवराज सिंह चौहान कुर्सी संभाल रहे हैं। इस बात में दो राय नहीं कि इतने सालों तक जब कोई पार्टी सत्ता में होती है तो उसकी खूबियों से ज्यादा लोग उसमें खामियां खोजने लगते हैं। वही संकट भाजपा के सामने भी उभरता दिखाई देने लगा। इस कारण भाजपा के सामने विधानसभा चुनाव से पहले चुनौतियां ज्यादा हैं। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, पार्टी में अंतर्द्वंद्व के हालात बनते दिखाई देने लगे हैं। इसके पीछे एक वजह ये भी है, कि एंटी इंकम्बेंसी भी अपना असर दिखाने लगी है। भाजपा को नेताओं की आपसी खींचतान से भी परेशानी हो रही है। अनुशासित, कैडर बेस और राजनीतिक शुचिता के लिए जानी जाने वाली पार्टी के लिए ये हालात अच्छे नहीं कहे जा सकते। जबकि, विधानसभा चुनाव को सिर्फ 6 महीने बचे हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद आलाकमान का पूरा ध्यान भी मध्यप्रदेश पर है। प्रदेश भाजपा में जो स्थितियां निर्मित हो रही हैं, वे तो अपनी जगह! पर, ज्योतिरादित्य सिंधिया पार्टी में एक अलग फैक्टर बन गए हैं! तीन साल पहले जब सिंधिया दल-बल समेत भाजपा में आए थे, तब और अब में बहुत कुछ बदल गया है। उपचुनाव में सिंधिया समर्थकों को जिताने वाले भाजपा के लोग ही अब उनके विरोध पर उतर आए। इसलिए कि जहां से सिंधिया के लोग उपचुनाव जीते थे, वहां के मूल भाजपा नेताओं को अपना भविष्य अंधकार में नजर आने लगा। उनको लगने लगा कि सिंधिया अपने समर्थकों को ज्यादा टिकट दिलाने का दबाव बना सकते हैं। सिंधिया के साथ भाजपा में आने के बाद उपचुनाव हारे नेता भी टिकट की दावेदारी से पीछे नहीं हैं। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में जमीनी स्तर पर जो असंतोष उभरता दिखाई दे रहा है, वो पार्टी के लिए अच्छा संकेत नहीं है। पार्टी के पुराने नेताओं ने अपनी उपेक्षा से नाराज होकर जैसे मोर्चा खोल दिया। इंदौर से देवास, सागर और कटनी तक में असंतोष का गुबार दिखाई दिया। देवास में तो भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कैलाश जोशी के तीन बार के विधायक बेटे दीपक जोशी ने तो पार्टी छोड़ दी। पूर्व विधायक और इंदौर के नेता भंवरसिंह शेखावत ने भी खुलकर अपने इरादे जाहिर कर दिए। सागर में मंत्री भूपेंद्र सिंह के खिलाफ स्थानीय विधायकों ने ही मोर्चा खोल दिया। सिंधिया के समर्थक मंत्री उन पर सीधा हमला कर चुके हैं। जबकि, कटनी में भी पूर्व विधायक ध्रुवप्रताप सिंह ने संगठन पर आरोप लगाते हुए पार्टी छोड़ने का ऐलान कर दिया। कटनी के तीन और पूर्व विधायकों ने नाराजी जाहिर कर दी। इससे पहले जबलपुर के पूर्व विधायक हरेंद्रजीत सिंह बब्बू और इंदौर के सत्यनारायण सत्तन ने भी बगावती तेवर दिखाए थे। पार्टी के पुराने नेताओं की अवहेलना, अनदेखी और उन्हें हाशिए पर रख देने से बनी स्थिति ने मामले को और पेचीदा कर दिया। पार्टी के पुराने और अनुभवी नेताओं का कहना है कि उन्हें पार्टी संगठन ने दरकिनार कर दिया। उनके मुताबिक अब पार्टी का कोई ऐसा प्लेटफार्म नहीं बचा, जहां नए और पुराने नेता मशविरा कर सकें। इससे पहले के पार्टी अध्यक्षों ने नए और पुराने नेताओं को एक जगह पर बैठाकर इसे जारी रखा था। लेकिन, संगठन के नए ढांचे ने पुराने अनुभवी नेताओं को किनारे कर दिया। पिछले कुछ महीने से भाजपा में जो अंतर्कलह बढ़ी, उसका बड़ा कारण पुराने और नए चेहरों के बीच बढ़ती दूरी ही है। करीब दर्जनभर नेताओं ने इस मुद्दे पर अपनी जुबान खोली, जो अभी तक घुटन में थे। जिस भी पुराने नेता ने जुबान खोली, सबके निशाने पर पार्टी का संगठन और उससे जुड़े नेता रहे। राज्यसभा के पूर्व सांसद और वरिष्ठ नेता रघुनंदन शर्मा ने भी इसी मुद्दे पर अपना रोष व्यक्त किया। उन्होंने तो उन पांच संगठन मंत्रियों पर भी उंगली उठाई, जिनकी छत्रछाया में प्रदेश में पार्टी का संगठन चल रहा है। जबकि, भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसकी संगठनात्मक क्षमता और अनुशासन ही रहा है। लेकिन, इसके बावजूद दर्शाया ये जा रहा है कि सब कुछ सामान्य है। आशय यह कि जो सतह पर दिखाई दे रहा है, वो सिर्फ दिखावा है। अंदर ही अंदर पार्टी का अनुशासन दरक रहा है। पार्टी के एक और पुराने नेता का कहना है, कि भाजपा विधान के अनुसार जब भी कार्यकारिणी गठित होती है, सिर्फ 20 प्रतिशत लोगों को ही बदला जाता है। लेकिन, अब तो 100 प्रतिशत लोगों को बदला जाने लगा। दरअसल, पार्टी में संवादहीनता के हालात ही इसकी वजह हैं! जब कोई किसी से बात नहीं करेगा, तो एक स्थिति में घुटन बढ़ेगी और फिर नेता को जहां जगह मिलेगी, वो अपनी बात बोलेगा। उसे मंच नहीं मिलेगा तो वो मीडिया के सामने बोलने लगेगा! अब तो यह भी कहा जाने लगा कि भाजपा अब एक नहीं रही। अब एक हिस्सा भाजपा है, दूसरा महाराज की पार्टी और तीसरा नाराज पार्टी! अब वे नेता विद्रोह पर उतर आए, जिन्हें सत्ता और संगठन दोनों जगह सम्मान नहीं मिल रहा। इनमें ज्यादातर वे नेता हैं, जिन्होंने पार्टी को खड़ा किया और आपातकाल में जेल भी गए। जबकि, पार्टी का मानना है कि अंतर्कलह बढ़ने की वजह बड़े नेताओं के बयान हैं। पुराने नेता खुलकर पार्टी और संगठन की आलोचना करने लगे। पार्टी के पास बड़ा संगठनात्मक ढांचा है। प्रदेश के पार्टी अध्यक्ष के अलावा अलग-अलग पदनाम वाले संघ से आए पांच बड़े नेता हैं, पर कोई भी पुराने नेताओं को साधने की कोशिश नहीं कर कर रहा। ऐसा कोई प्रयास दिखाई नहीं दे रहा कि अंतर्कलह की आंच को ठंडा किया सके।

सरकार के हाथ कानून से भी लंबे?

(लेखक - सनत जैन)

भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू है। सभी नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त है। जो कानून बनाए गए हैं। उसमें सभी को सरकार द्वारा बनाए गए नियम और कानूनों के अनुसार ही चलना होता है। सरकार के उपर भी वही नियम-कानून बाध्यकारी हैं। न्यायपा लिका नियम-कानून के आधार पर फैसला करती है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में कानून का प्रयोग जिस तरह से हो रहा है। उसके बाद यह स्पष्ट होने लगा है कि सरकार के हाथ कानून से भी लंबे होते हैं। अदालतें भी अब सरकार को कानून से ऊपर मानने लगी हैं। न्यायालयों में सरकार को उच्चतम स्थान प्राप्त हो रहा है। न्यायालयें भी सरकार से प्रभावित हैं। नियम कानून तो सभी पक्षों के लिए एक से होने चाहिए। जिस तरह से गरीबों और अमीरों के लिए अलग-अलग कानून और नियम बनाये जा रहे हैं, उससे अमीरों को फायदा हो रहा है। गरीबों का उत्पीड़न हो रहा है। यह हजारों मामलों में प्रमाणित हो चुका है। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त महिला पहलवानों के यौन शोषण के मामले में स्पष्ट हो गया है, कि सरकार और प्रशासन अलग-अलग व्यक्तियों के लिए अलग अलग तरीके से नियम और कानूनों को लागू करती है। पास्को एक्ट में एफआईआर होने के बाद तुरन्त गिरफ्तारी करने का प्रावधान है। लेकिन कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के मामले में पुलिस अलग तरीके से कानून का पालन कर रही है। सुप्रीम कोर्ट की लताड़ के बाद एफआईआर दर्ज करना, उसके बाद महीनों गिरफ्तारी नहीं होना, गिरफ्तारी के पहले जांच के बहाने महीनों तक मामले को लंबित रखना, यह सब सरकार और प्रशासन की मर्जी पर निर्भर करता है। न्यायपालिका ने भी इस मामलों में मौन धारण कर लिया है। जांच एजेंसियां जो भी झूठी-सच्ची रिपोर्ट अदालत में पेश करती हैं। उसी के आधार पर न्यायालय भी निर्णय कर रही हैं। इससे आम जनमानस में अब यह धारणा बनने लगी है, कि भारत में 3 तरह के कानून लागू हैं। गरीबों के लिए अलग कानून हैं। अमीरों के लिए अलग कानून है। सरकार कानूनों का मनचाहा उपयोग अपने अनुसार करती हैं। सरकार के पास कानून और नियम बनाने की शक्तियां हैं। अदालतें भी सरकार के सामने विवश नजर आ रही हैं। यह स्थिति तब है, जब भारत की न्यायालयों में 60 फ़ीसदी से ज्यादा मामले मैं शासन और प्रशासन पक्षकार है। ऐसे में प्रता णित पक्ष और गरीबों को किस तरह से न्याय मिलेगा, यह आसानी से समझा जा सकता है। महिला पहलवानों के यौन शोषण मामले में जिस तरह की भूमिका दिल्ली पुलिस की रही है। उसको लेकर आम आदमी का विश्वास कानून से डगमगाने लगा है। शासन और प्रशासन जिसे चाहेगा उसे बंद करेगा और जिसे चाहेगा उसे बचा लेगा। यह धारणा आम आदमी में बनने लगी है। सत्येंद्र जैन मनीष सिसोदिया जैसे कई विपक्ष के नेता कई महीनों से जेल में बंद है। उन्हें जमानत भी नहीं मिल रही है। उन्हें पहले गिरफ्तार किया जाता है। फिर जांच के नाम पर वर्षों लगा दिए जाते हैं। न्यायालयों से उन्हें जमानत नहीं मिलती है। वहीं सत्तापक्ष के सांसद, विधायक, मंत्रियों और उनके चहेतों को आरोप होने और प्रमाणिक दस्तावेज होने के बाद भी जांच के नाम पर जांच एजें सियां द्वारा महीनों और वर्षों तक मामले को लटका कर रखा जाता है। दस्तावेजों और सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने और नष्ट करने का समय भी मिल जाता है। यही अंग्रेजों के बनाए हुए कानून की खासियत है, जो आज तक लागू हैं। कुछ इसी तरह की स्थिति आर्थिक मामलों में भी देखने को मिल रही है। बैंक से हजारों करोड़ रुपए का कर्जा लेकर भाग जाना, कर्ज नहीं चुकाकर उसे सरकार से माफ करा लेना। वर्षों तक जांच और न्यायालय प्र क्रिया की आड़ में बड़े आदमियों के लिए वित्तीय संस्थानों ने अलग से कानून बना रखे हैं। वहीं गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों का कुछ हजार या कुछ लाख रुपया बाकी हो, उनका नाम अखबारों में छप जाता है। कुर्की डिग्री हो जाती है। परिवार को घर से बेघर कर दिया जाता है। क्योंकि वह गरीब और मध्यम वर्ग से आते हैं। हजारों करोड़ों रुपए की लूट करने वाले धन्नासेठ देश से भाग जाते हैं। नहीं भागते हैं तो सरकार उनका कर्ज दिवा लिया मानकर माफ कर देती है। न्यायालयों में भी जमानत को लेकर अब इसी तरीके की स्थिति देखने को मिलती है। गरीबों को मनमाने तरीके से जांच एजेंसियां गिरफ्तार कर लेती हैं। महीनों और वर्षों तक उनकी जमानत नहीं होती है। मुकदमा लड़ने के पास ना तो उनके पास पैसे होते हैं, ना उन्हें वकील मिलता है। जेल और बेल का गोरखधंधा पिछले कई वर्षों से चर्चाओं में है। जो जांच के नाम पर वर्षों तक प्रशासन जांच एजेंसियों जिनको जेल में रखना चाती है, उनकी वर्षों जांच चलती है। कोर्ट में कई महीनों तक चार्जशीट पेश नहीं होती है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए लोगों की न्यायपालिका के प्रति आस्था डगमगाने लगी है। भारत में समरथ को नहिं दोष गुसाईं की तर्ज पर न्यायालयों से उन्हें संरक्षण मिल जाता है। सरकार भी 2 तरह के नियम-कानून बनाती है। आम आदमी का क्या है, उसे भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने में हल्की तेजी, चांदी टूटी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में बुधवार को सोने में हल्की बढ़त रही जबकि चांदी नीचे आयी है। दस ग्राम सोना बढ़त के साथ 60,800 रुपये का हो गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमतों में कमी आई है और अब यह 72,800 रुपये में मिल रही है। दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 25 रुपये की हल्की तेजी के साथ ही 60,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 60,775 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। इसी प्रकार चांदी की कीमत भी 150 रुपये फिसलकर 72,800 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की हाजिर कीमत 25 रुपये बढ़कर 60,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई।

अगले पांच सालों में दो सौ से अधिक एयरपोर्ट, हेलीपोर्ट और वाटर एयरोड्रोम बनेंगे

नई दिल्ली । केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कहा है कि अगले पांच साल एअरपोर्ट विकास के होंगे। उन्होंने इसे लेकर बुधवार को बड़ा बयान दिया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगले 5 सालों में भारत में 200-220 और एयरपोर्ट, हेलीपोर्ट और वाटर एयरोड्रोम होंगे। सिंधिया ने कहा कि दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, बेंगलुरु में क्षमता करीब 22 करोड़ की है। नवी मुंबई और जेवर एयरपोर्ट जोड़कर इसे अगले 8 सालों में 41.5 करोड़ पर ले जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारा 1 लाख करोड़ का कैपेक्स एयरपोर्ट्स के क्षेत्र में निर्धारित है जिसमें से 25-30 हजार करोड़ एएआई बाकी निजी क्षेत्र के साथ मिलकर बनाया जाएगा। एएआई 42 ब्राउनफील्ड और 3 ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट्स पर खर्च करेगा।` सिं धिया ने कहा` कि निजी क्षेत्र 4 ब्राउनफील्ड और 3 ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट्स पर खर्च करेगा।

महंगाई, बढ़ती ब्याज दरों से वैश्विक वृद्धि प्रभावित होगीः ओईसीडी

फ्रैंकफर्ट । महंगाई और बढ़ती ब्याज दरों से वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए यह साल और अगला वर्ष अनिश्चितताओं वाला रहेगा। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने अपने ताजा आर्थिक परिदृश्य में यह बात कही है। ओईसीडी के सदस्यों में 38 देश शामिल हैं। ओईसीडी ने चालू साल में अपने वैश्विक वृद्धि दर के अनुमान को मामूली बढ़ाकर 2.7 प्रतिशत कर दिया है। नवंबर में ओईसीडी ने वृद्धि दर 2.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। समूह का अनुमान है कि अगले साल वैश्विक वृद्धि दर मामूली बढ़त के साथ 2.9 प्रतिशत रहेगी। ओईसीडी ने कहा कि कोरोना महामारी के बाद पुनरुद्धार यूक्रेन पर रूस के हमले के चलते ऊर्जा कीमतों में आई तेजी से प्रभावित होगा। इसके बाद महामारी-पूर्व के वर्षों की तुलना में वृद्धि कम रहेगी। 2013-2019 में औसत वैश्विक वृद्धि 3.4 प्रतिशत रही थी। ओईसीडी ने कहा कि आगे का रास्ता जोखिमों भरा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, विकासशील देशों में कर्ज संकट और ब्याज दरों में तेज बढ़ोतरी से बैंक और निवेशक प्रभावित हुए हैं। हालांकि, ओईसीडी का यह अनुमान मंगलवार को आए विश्व बैंक के आकलन से बेहतर है। विश्व बैंक का अनुमान है कि चालू साल में वृद्धि वृद्धि दर 2.1 प्रतिशत रहेगी।

2000 के नोट को लेकर एचडीएफसी बैंक ने अपने ग्राहकों को भेजा मेल

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से 2000 के नोट को चलन से बाहर किया गया है। साथ ही लोगों अपने पास मौजूद 2000 के नोट को बदलवाने के लिए 30 सितंबर तक समय दिया है। अब इस लेकर देश के निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक की ओर से ग्राहकों को एक मेल भेजा गया है, जिसमें तीन बिंदुओं आरबीआई की ओर से लिए गए फैसले को समझाया गया है। एचडीएफसी बैंक की ओर से ग्राहकों को कहा गया कि आपकी सुविधा और विश्वास हमारे लिए सर्वोपरि है। निजी बैंक की ओर से कहा गया कि 2000 का नोट अभी भी लीगल टेंडर है। आप लेनदेन करने के लिए कहीं भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं और किसी अन्य व्यक्ति से भुगतान के रूप में स्वीकार भी कर सकते हैं। एचडीएफसी बैंक की ओर से ग्राहकों को कहा कि किसी भी संख्या में 2000 के नोट बैंक में 30 सितंबर तक जमा कर सकते हैं। हालांकि, आपको यहां पर नोट जमा करने के लिए आरबीआई के नियमों का पालन करना होगा। 50,000 से अधिक के नोट जमा करते हैं, तब पैन दिखाना होगा। एचडीएफसी बैंक की ओर से कहा कि देश भर में मौजूद किसी भी ब्रांच पर जाकर

आसानी से 23 मई, 2023 से लेकर 30 सितंबर, 2023 के बीच जाकर अधिकतम 20,000 रुपये या 10 दो हजार रुपये के नोट बदल सकते हैं। देश के दो बड़े सरकार बैंक एसबीआई और पीएनबी भी 2000 रुपये का नोट बदले को लेकर एडवाइजरी जारी कर चुके हैं।

रुपया बढ़त के साथ बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया पांच पैसे की बढ़त के साथ ही 82.51 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में आठ पैसे की बढ़त के साथ ही 82.52 प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक से पहले निवेशकों के सतर्क रुख से भी रुपया सीमित दायरे में कारोबार करता दिखा। अनुमान है कि आरबीआई समीक्षा बैठक में रेपो दर को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखेगा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.56 पर खुलने के बाद 82.52 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद स्तर की तुलना में आठ पैसे अधिक है। वहीं गत दिवस मंगलवार को रुपया 82.60 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इसी बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी नीचे आकर 104.10 पर आ गया।

चीन का निर्यात मई में 7.5 प्रतिशत घटा, आयात भी गिरा

बीजिंग।

चीन का निर्यात मई में एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 7.5 प्रतिशत घाटा हैं। वहीं आयात में भी 4.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। इससे साफ होता है कि चीन में आर्थिक पुनरुद्धार की रफ्तार धीमी पड़ी है। सीमा शुल्क विभाग के आंकड़ों के अनुसार, मई में चीन का निर्यात घटकर 283.5 अरब डॉलर रहा है। यह अप्रैल में दर्ज 8.5 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना के विपरीत है। वहीं आयात भी घटकर 217.7 अरब डॉलर रहा। अप्रैल में चीन का आयात 7.9 प्रतिशत घटा था। चीन का वैश्विक व्यापार अधिशेष भी 16.1 प्रतिशत घटकर 65.8 अरब डॉलर रह गया है। दिसंबर में चीन ने वायरस पर अंकुश के उपायों को वापस ले लिया था। व्यापार आंकड़ों में गिरावट से साफ होता है कि चीन की पुनरुद्धार की रफ्तार सुस्त पड़ी है। आंकड़ों के अनुसार, चीन में खुदरा खर्च उम्मीद से कम है और उपभोक्ता आर्थिक परिदृश्य तथा रोजगार में संभावित नुकसान को लेकर आशंकित हैं। इसके अलावा अमेरिका और यूरोप में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की वजह से मांग घटी है जिससे विनिर्माण गतिविधियां भी सुस्त पड़ी हैं। आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका को चीन का निर्यात मई में 18.2 प्रतिशत घटकर 42.5 अरब डॉलर पर आ गया है। वहीं अमेरिकी वस्तुओं का आयात भी 9.9 प्रतिशत की गिरावट के साथ 14.3 अरब डॉलर रहा है। अमेरिका के साथ चीन का व्यापार अधिशेष 21.9 प्रतिशत घटकर 28.1 अरब डॉलर रह गया है। मार्च में समाप्त तिमाही में चीन की आर्थिक वृद्धि दर 4.5 प्रतिशत रही है, जो इससे पिछली तिमाही में 2.9 प्रतिशत रही थी। इस साल के पहले पांच माह में चीन का आयात 6.7 प्रतिशत घटकर 1,000 अरब डॉलर से कुछ अधिक रहा है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 350 , निफ्टी 127 ऊपर आया

मुम्बई ।

शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच भी खरीददारी के कारण घरेलू बाजार में ये तेजी आई है। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 350.08 अंक करीब 0.56 फीसदी बढ़कर 63,142.96 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 63,196.43 तक ऊपर जाने के बाद 62,841.95 तक फिसला। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (निफ्टी) भी 127.40 अंक करीब 0.68 फीसदी उछलने के बाद अंत में 18,726.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,738.95 तक ऊपर जाने के बाद 18,636.00 तक फिसला जबकि गत दिवस बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ था।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 30 में से 24 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। नेस्ले इंडिया के शेयर सबसे अधिक 2.97 फीसदी तक उछले। इसके अलावा टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, भारती एयरटेल और लार्सन एंड टूब्रो के शेयर सेंसेक्स के सबसे अधिक 5 लाभ वाले शेयर रहे। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में केवल 6 शेयर ही नुकसान के साथ लाल निशान पर बंद हुए। इसमें कोटक बैंक के शेयर सबसे ज्यादा करीब 1.07 फीसदी तक गिरे। वहीं नीचे आने वाले अन्य पांच शेयरों में मारुति, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर रहे। वहीं इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार बढ़त के साथ खुला। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच ही खरीदारी से ये तेजी आई। सुबह कारोबार के दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 150 अंक ऊपर आकर 62,988 के स्तर पर पहुंचा। वहीं पचास शेयरों वाला निफ्टी 50 अंक से बढ़कर 18,650 के स्तर से ऊपर कारोबार कर रहा था। कुल मिलाकर देखा जाये तो सभी क्षेत्रो में बेहतर प्रदर्शन दर्ज की किया गया। निफ्टी

मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.5 फीसदी तक उछले। निफ्टी आईटी, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी कंज्यूमर डयूरेबल इंडेक्स में 0.4 फीसदी तक की बढ़त रही जिससे सभी क्षेत्रों में उछाल रहा। प्री-ओपनिंग के दौरान बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई है।

सुबह सेंसेक्स 83.78 अंक की बढ़त के साथ 62,876.66 के स्तर पर कारोबार करता दिखा जबकि निफ्टी में भी 114.00 अंकों की बढ़त दर्ज की गयी और ये 18,713.00 के स्तर पर कारोबार करता दिखा।

मोदी सरकार का किसानों को तोहफा, तुअर, उड़द दाल, और धान की एमएसपी बढ़ाई

नई दिल्ली ।

मोदी सरकार की बुधवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कई फसलों के मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एमएसपी) पर फैसला हुआ है। फसलों की एमएसपी में बंपर बढ़ोतरी की गई है। तुअर दाल, उड़द दाल, धान और मक्के की एमएसपी बढ़ाई गई। कैबिनेट की ओर से तुअर दाल की एमएसपी में 400 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ाने को मंजूरी दे दी गई है। सूत्रों के मुताबिक अब तुअर दाल का एमएसपी 7,000 रुपए प्रति क्विंटल हो गया है। इस तरह उड़द दाल की एमएसपी में 350 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है, जिसके बाद यह बढ़कर 6950 रुपए प्रति क्विंटल हो गई है। मक्के की एमएसपी 128 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ाने और धान की एमएसपी 143 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ाने को मंजूरी मिली है। दरअसल मिनिमम सपोर्ट प्राइस यानी एमएसपी की शुरुआत आजादी के बाद की गई थी। उस समय देश में लगातार अकाल और खाने के संकट से किसान परेशान थे। इसकारण देश के करोड़ों अन्नदाताओं की हितों की

सुरक्षा कर केंद्र सरकार किसानों की फसल को लेकर एक दाम तय करती है, जिसे एमएसपी कहा जाता है। एक तरीके से यह किसानों के लिए एक भरोसा है कि केंद्र की सरकारें उनकी फसलों की खरीद निश्चित न्यूनतम कीमत पर करेगी। कानूनी रूप से देखा जाए, तब सरकार मिनिमम सपोर्ट प्राइस देने के लिए बाध्य नहीं है क्योंकि किसी सरकार को किसानों से फसल खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है। इस मामले में किसान सरकार को अदालत में नहीं खींच सकते क्योंकि एमएसपी को लेकर कोई कानून नहीं है।

बीएसई ने अदाणी ग्रुप की चार कंपनियों की सर्किट लिमिट बढ़ाई

मुंबई ।

उद्योगपति गौतम अदाणी की कंपनियों के शेयरों में आज तेजी देखने को मिल सकती है। क्योंकि बीएसई ने उनके ग्रुप की चार कंपनियों के शेयरों की सर्किट लिमिट को बढ़ा दिया है। इन कंपनियों के नाम है- अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी ट्रांसमिशन, अदाणी विल्मर और अदाणी पावर। बता दें कि घरेलू इक्विटी एक्सचेंज बीएसई ने अदाणी ग्रीन, अदाणी ट्रांस और अदाणी विल्मर के सर्किट लिमिट को 5 फीसदी से बढ़ाकर 10 फीसदी कर दिया है। वहीं, अदाणी पावर सर्किट की लिमिट 5 फीसदी से बढ़ाकर 20 फीसदी कर दी है। ये नए बदलाव आज यानी 7 जून से लागू हो जाएंगे। मंगलवार की बात करें तो अदाणी विल्मर और अदाणी ट्रांसमिशन के शेयरों में 0.61 फीसदी और 1.4 फीसदी की गिरावट देखने को मिली थी, जिसके बाद शेयरों की कीमत क्रमशः 429.6 रुपये और 816.2 रुपये हुई थी। वहीं अदाणी ग्रीन एनर्जी के शेयर 0.5 फीसदी बढ़कर 992.85 रुपये हुए थे और अदाणी पावर के शेयर 1.4 फीसदी बढ़कर 263 रुपये पर बंद हुए। एक्सचेंज शेयरों में उतार-चढ़ाव रोकने के लिए एक लिमिट तय करता है, जिसकों शेयर इंट्रा-डे के दौरान क्रॉस नहीं कर सकता। इसमें शेयरों के मूवमेंट और वोलैटिलिटी की ट्रेकिंग की जाती है और उसी के आधार पर सर्किट लिमिट को रिव्यू किया जाता है।

विश्व बैंक ने जाहिर की मंदी की आशंका, भारत पर नहीं होगा इसका ज्यादा असर

नई दिल्ली ।

विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अपने अनुमान को घटाकर 6.3 प्रतिशत किया है। यह विश्व बैंक के जनवरी में लगाए गए पिछले अनुमान से 0.3 प्रतिशत अंक कम है। साथ ही विश्व बैंक ने कहा कि भारत में निजी उपभोग और निवेश में अप्रत्याशित जुझारूपन देखने को मिल रहा है। साथ ही सेवाओं की वृद्धि भी मजबूत है। विश्व बैंक ने वैश्विक आर्थिक संभावनाओं पर अपनी ताजा रिपोर्ट में अनुमान जताया है। इसमें कहा गया है कि 2023 में वैश्विक वृद्धि दर घटकर 2.1 प्रतिशत रहेगी, जो 2022 में 3.1 प्रतिशत रही थी। चीन के अलावा उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ईएमडीई) में वृद्धि दर पिछले साल के 4.1 प्रतिशत से कम होकर

इस वर्ष 2.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह वृद्धि दर में व्यापक गिरावट को दर्शाता है। विश्व बैंक ने कहा, ''वित्त वर्ष 2023-24 में भारत में वृद्धि दर और धीमी होकर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह जनवरी के अनुमान से 0.3 प्रतिशत अंक कम है। विश्व बैंक समूह के नव-नियुक्त अध्यक्ष अजय बंगा ने कहा, ''गरीबी को कम करने और समृद्धि के प्रसार का सुनिश्चित तरीका रोजगार है। वृद्धि दर धीमी होने का मतलब है कि रोजगार सृजन भी मुश्किल होगा। भारतीय मूल के बंगा ने विश्व बैंक के अध्यक्ष का पदभार संभाल था। विश्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में वृद्धि दर में सुस्ती की वजह ऊंची मुद्रास्फीति और कर्ज की लागत बढ़ने की वजह से निजी खपत का प्रभावित होना है। रिपोर्ट के मुताबिक, ''मुद्रास्फीति के संतोषजनक दायरे के मध्य बिंदु तक आने तथा सुधारों की वजह से वित्त वर्ष 2025-26 में वृद्धि दर कुछ रफ्तार पकड़ेगी। उभरती प्रमुख विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ईएमडीई) में भारतज्दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

अमेरिकी कंपनियों के मुनाफे में भारी गिरावट की आशंका

नई दिल्ली ।

अमे रिकी कंपनियों के मुनाफे में भारी गिरावट की आशंका जताई जा रही है1 कमाई के लिहाज से यह साल अमेरिकी कंपनियों के लिए अच्छा नहीं रहेगा। मॉर्गन स्टेनली ने इस साल एस एंड पी 500 कंपनियों के मुनाफे में 16 फीसदी की गिरावट की चेतावनी दी है। हालांकि अगले साल (2024) में अमेरिकी कंपनियों की कमाई अच्छी होगी क्योंकि विश्लेषकों का कहना है कि फेडरल रिजर्व की नीति अधिक उदार हो जाएगी। माइकल विल्सन की अगुवाई वाले मॉर्गन स्टेनली के एनालिस्ट्स की एक टीम ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि अगले साल अमेरिकी कंपनियों के मुनाफे में 23 फीसदी तक का उछाल आ सकता है। वॉल स्ट्रीट बैंक ने चेतावनी दी कि एस एंड पी कंपनियों का ईपीएस 2023 में 195 डॉलर लुढ़ककर 185 डॉलर तक पहुंच सकता है और अगले साल बढ़कर 239 डॉलर तक जा सकता है। विल्सन ने कहा, 2020 में शुरू हुआ बूम/ बस्ट पीरियड वर्तमान में ईपीएस के बस्ट पार्ट में है। मॉर्गन स्टेनली ने एस एंड पी के 2024 में 4,200 के स्तर पर पहुंच जाने

का अनुमान जताया है। जबकि 2023 के अंत के लक्ष्य को 3,900 पर अपरिवर्तित रखा। शुक्रवार को इंडेक्स 4,282।37 पर बंद हुआ था। मॉर्गन स्टैनली ने कहा कि कुछ सकारात्मक खबरों, फेडरल रिजर्व के रुख में बदलाव की उम्मीद, तरलता में लगातार सुधार, और **AI** के चलते **Nvidia Corp** के शेयरों में आई तेजी के दम पर **S&P** में तेजी देखने को मिली है। बैंक ने कहा कि इन वजहों से बाजार में सुधार आया है।

कर्ज चुकाते ही बदली अडानी समूह की किस्मत

एशिया में अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर

मुंबई ।

भारत के दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी के अडानी ग्रुप ने 2.65 अरब डॉलर का कर्ज समय से पहले ही चुका दिया है। इसके बाद अडानी ग्रुप के अधिकांश शेयरों में तेजी दिख रही है। इस तेजी की बदौलत ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में मंगलवार को तेजी आई और वह एशिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंच गए। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स से मुताबिक उनकी नेटवर्थ में 16 करोड़ डॉलर की तेजी आई और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 18वें स्थान पर पहुंच गए। अब उनकी नेटवर्थ 61.8 अरब डॉलर पहुंच गई है। चीन के झोंग शैनशैन अब उनसे एक स्थान नीचे 19वें नंबर पर खिसक गए हैं। बोतलबंद पानी का कारोबार करने वाले शैनशैन की नेटवर्थ में 92.7 करोड़ डॉलर की गिरावट आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 85.2 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ एशिया के सबसे बड़े रईस हैं। अमेरिका की शॉर्ट सेलिंग फर्म 24 जनवरी को आई हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट के कारण अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। इस रिपोर्ट में अडानी ग्रुप पर शेयरों की कीमत में छेड़छाड़ का आरोप लगाया गया था। हालांकि अडानी ग्रुप ने इन आरोपों का खंडन किया था। इस बीच दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ रॉकेट की स्पीड से बढ़ रही है। मंगलवार को यह 2.65 अरब डॉलर की उछाल के साथ 205 अरब डॉलर पहुंच गई। टेस्ला, स्पेसएक्स और ट्विटर के सीईओ मस्क की नेटवर्थ में इस साल 67.7 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस साल सबसे ज्यादा कमाई के मामले में मस्क पहले नंबर पर हैं। फ्रांस के बर्नार्ड आरनॉल्ट 187 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर हैं। इस तरह मस्क और आरनॉल्ट की नेटवर्थ में अब 18 अरब डॉलर का फासला हो गया है। अमेजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 150 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स 128 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ चौथे और लैरी एलिसन (120 अरब डॉलर) पांचवें नंबर पर हैं। वॉरेन बफे (117 अरब डॉलर) छठे, स्टीव बाल्मर (116 अरब डॉलर) सातवें, लैरी पेज (115 अरब डॉलर) आठवें, सर्गेई ब्रिन (109 अरब डॉलर) नौवें और मार्क जकरबर्ग (98.8 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं।

जोमेटो, अदानी को निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स से बाहर करने की तैयारी

नई दिल्ली ।

11 गैर-एफएंडओ शेयरों को निफ्टी नेक्ट 50 इंडेक्स से हटाए जाने की खबरें सामने आ रही हैं। इनमें जोमेटो, अडानी के शेयर भी शो मिल बताए जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार अगर एक्सचेंज अपनी गणना पद्धति को बदलने का फैसला करता है, तो इन नॉन-एफ एंड ओ स्टॉक्स को निफ्टी नेक्ट 50 इंडेक्स से हटाया जा सकता है। इसके अलावा 11 स्टॉक जो निफ्टी नेक्स्ट 50 में शामिल होंगे, उनमें श्रीराम फाइनेंस, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, ट्रेंट, इंडियन होटल्स, टीवीएस मोटर कंपनी, कमिंस इंडिया, जिंदल स्टील एंड पावर, पॉलीकैब, पंजाब नेशनल बैंक, ज़ाइडस लाइफसाइंसेस और एबट इंडिया के नाम शामिल हैं। गौरतलब है कि ये 11 स्टॉक एवेन्यू सुपरमार्ट्स, वरुण बेवरेजेज, बजाज होल्डिंग्स, अदाणी ग्रीन एनर्जी, ज़ोमैटो, अदाणी ट्रांसमिशन, अदाणी टोटाल गैस, एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स, पीएंडजी हाइजीन, एलआईसी और अदाणी विल्मर हैं। फिलहाल इन 11 शेयरों का निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स में 9.05 फीसदी वेटेज है। निफ्टी नेक्स्ट 50, निफ्टी 50 के बाद लिक्विडिटी सिक्योरिटी के अगले चरण का प्रतिनिधित्व करता है। बाजार विशेषज्ञ अभिलाष पगारिया के अनुसार,गैर-एफएंडओ शेयरों में इंडेक्स का एक्सपोजर बार-बार प्राइस बैंड को हिट करता है, जो कि इंडेक्स पोर्टफोलियो को कुशलता से दोहराने की क्षमता को कम करता है। इसके कारण ट्रैकिंग एरर भी बढ़ता है। इसको हल करने के लिए, एनइसई इंडेक्स ने एक डिस्कशन पेपर जारी किया है और प्रस्तावित किया है कि केवल एफ एंड ओ सेगमेंट में कारोबार करने वाले स्टॉक ही इंडेक्स का हिस्सा होंगे। नेक्ट 50 इंडेक्स में केवल उन्हीं शेयरों को शामिल किया जाएगा जो एफएंडओ ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हैं। इसे दो चरणों में लागू किया जा सकता है। 30 जून को लागू होने वाले पहले चरण में इन 11 शेयरों के वजन में कमी देखने को मिलेगी। गैर एफ एंड ओ शेयरों का वेटेज 9.05 फीसदी से घटकर 5 फीसदी हो जाएगा। 30 सितंबर को लागू होने वाले दूसरे चरण में इन 11 स्टॉक को हटाकर एक नया सेट जोड़ा जाएगा। पगारिया ने कहा, फिलहाल, यह सिर्फ एक परामर्श है और जून के तीसरे सप्ताह तक एक्सचेंज इस पर फैसला सुना सकता है।

टी20 विश्व कप की मेजबानी करना चाहता है अमेरिका, अब एमएलसी के सफल आयोजन पर टिकाई नजरें

बेंगलुरू। (एजेंसी)। अमेरिका क्रिकेट (यूएसएसी) ने बुधवार को कहा कि देश में उचित क्रिकेट बुनियादी ढांचे की कमी से जुड़ी चिंताओं के कारण उनसे टी20 विश्व कप 2024 की मेजबानी नहीं छीनी जाएगी। उन्होंने साथ ही कहा कि मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के सफल आयोजन से सभी संदेह दूर हो जाएंगे। इस तरह की खबरें हैं कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) इस शीर्ष टूर्नामेंट को वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी की जगह अगले साल इंग्लैंड में स्थानांतरित कर सकता है।

यूएसएसी के एक अधिकारी ने हालांकि कहा कि उन्हें वैश्विक संस्था से स्थल स्थानांतरित करने को लेकर कोई सूचना नहीं मिली है। अमेरिका क्रिकेट के एक प्रशासक ने पीटीआई से कहा, ''इस संबंध में हमारी आईसीसी के साथ कोई चर्चा नहीं हुई है। एक साल बाद होने वाले टी20 विश्व कप के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं।'' अधिकारी ने कहा, ''अस्थाई आयोजन स्थल आदि को लेकर चिंता स्वाभाविक है क्योंकि अमेरिका नियमित रूप से क्रिकेट प्रतियोगिताओं की मेजबानी नहीं करता लेकिन हम मेजर लीग क्रिकेट का आयोजन करने वाले हैं और इस टी20 टूर्नामेंट की सफल मेजबानी काफी चिंताओं को दूर कर देगी।''

पहला एमएलसी टी20 टूर्नामेंट 13 से 30 जुलाई तक खेला जाएगा। टूर्नामेंट में छह टीम हिस्सा लेंगी और इसके मुकाबले टेक्सास के ग्रैंड प्रेरी स्टेडियम में होंगे। इंग्लैंड के जेसन रॉय, ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा, मैथ्यू वेड, मार्कस स्टोइनिस और मोइजेस हेनरिक्स सहित दुनिया भर के कई बड़े क्रिकेटरों ने एमएलसी टी20 से करार किया है। आईसीसी ने भी हालांकि वेस्टइंडीज और अमेरिका से टी20 विश्व कप को स्थानांतरित करने की खबरों को अधिक तवज्जो नहीं दी। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने पीटीआई से कहा, ''टी20 विश्व कप 2024 को वेस्टइंडीज और अमेरिका से स्थानांतरित करने को लेकर आईसीसी के किसी भी मंच पर कोई चर्चा नहीं हुई।'' अधिकारी ने कहा, ''इसका (टूर्नामेंट) पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजन होगा और जल्द ही आयोजन स्थलों को लेकर घोषणा की जाएगी।''

भारतीय क्रिकेट टीम ने फ्लोरिडा के लॉडरहिल के सेंट्रल ब्रोवार्ड पार्क में वेस्टइंडीज के खिलाफ कुछ अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। आईसीसी की स्थल निरीक्षण टीम ने प्रतियोगिता के संभावित स्थल के रूप में ओकलैंड, फ्लोरिडा और लॉस एंजिलिस जैसे शहरों का दौरा किया है। माना जा रहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले

का आयोजन वेस्टइंडीज की जगह अमेरिका में किया जाएगा क्योंकि यहां दोनों टीमों के काफी समर्थक हैं। भारत और पाकिस्तान का मुकाबला आईसीसी टूर्नामेंट के सबसे बड़े मुकाबलों में से एक होता है।

फ्रेंच ओपन 2023: अल्कारेज और नोवाक जोकोविच की होगी सेमीफाइनल में भिड़ंत

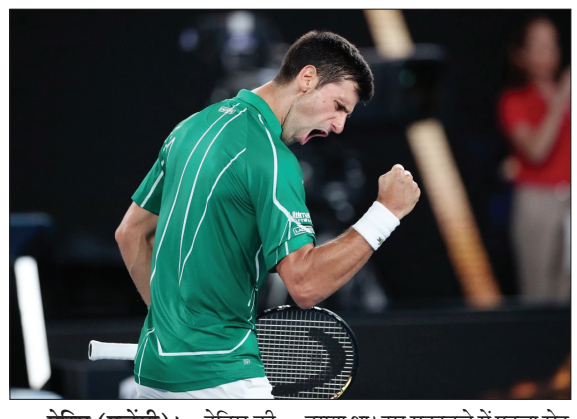

पेरिस (एजेंसी)। टेनिस की दुनिया में, समय-समय पर नई प्रतिभाएं उभरती हैं उन प्रतिभाओं में से एक हैं स्पेन के खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज, जिन्होंने छह जून को खेले गए मुकाबले में पांचवें नंबर के खिलाड़ी स्टीफानोस सितसिपास को हराकर सेमीफाइनल का टिकट पक्का किया है। अब सेमीफाइनल में कार्लोस अल्कारेज का मुकाबला नोवाक जोकोविच से होगा।

गौरतलब है कि दो बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच ने सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 11वीं सीड रुस के कैरन खाचानोव को हराया था। इस मुकाबले में पहला सेट नोवाक जोकोविच हार गए थे मगर इसके बाद उन्होंने मुकाबले में शानदार वापसी की थी। इस मुकाबले में उन्हें कैरन खाचानोव से कड़ी टक्कर मिली थी। इस मुकाबले के बाद नोवाक जोकोविच ने कहा था कि पहले दोनों सेटों के दौरान कैरन ने बेहतर खेल दिखाया था। शुरुआती दो सेटों के दौरान मुझे अपनी लय ढूंढने में संघर्ष करना पड़ा था। इस दौरान मैंने कुछ गलतियां की थी। मगर दूसरे सेट के टाई ब्रेक में वापसी करने के बाद जीतना मुश्किल नहीं रहा था।

केन्द्रीय खेलमंत्री ठाकुर के साथ हुई बैठक में पहलवानों ने रखीं पांच मांगें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे पहलवानों की आज केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ एक बैठक हुई। इससे पहले खेलमंत्री ने कहा था कि सरकार पहलवानों से बातचीत के लिए तैयार है। ठाकुर से हुई बातचीत से साफ है कि सरकार अब पहलवानों का मामले को जल्द से जल्द हल करना चाहती है। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक की अगुवाई में शीर्ष पहलवानों की ठाकुर के साथ उनके आवास पर बुधवार सुबह यह बैठक हुई। इस बैठक में पहलवानों ने मंत्री के सामने पांच मांगें रखीं। इसमें फेडरेशन का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव और महिला चीफ की नियुक्ति शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि बृजभूषण या उनके परिवार का कोई भी सदस्य कुश्ती महासंघ का हिस्सा नहीं होना चाहिए। पहलवानों ने पिछले महीने नई संसद के उद्घाटन वाले दिन दर्ज केस को भी खत्म करने को कहा। साथ ही बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग दोहराई। प्रदर्शन में शामिल विनेश फोगाट बैठक में नहीं पहुंचीं क्योंकि वह हरियाणा में अपने गांव थीं। शुरू में खबर आई थी कि किसान नेता राकेश टिकैत भी खेल मंत्री के घर पर पहुंचे लेकिन वह नहीं पहुंचे। इससे पहले गृहमंत्री अमित शाह से हुई मुलाकात के बाद पहलवान अपनी-अपनी नौकरियों पर लौट गये थे। माना जा रहा है कि उसकी जानकारी नहीं होने से किसान नेता बातचीत से दूर हुए हैं। आज सुबह एक कार खेल मंत्री के घर दाखिल हुई तो कहा गया कि राकेश टिकैत भी पहलवानों के साथ पहुंचे हैं लेकिन वह करनाल में मौजूद हैं। इससे पहले पहलवानों की तरफ से कहा गया था कि बंद कमरे में कोई बातचीत नहीं होगी। दरअसल, जिन परिवारों से ये पहलवान आते हैं, उनके अपने किसान और खाप पंचायतें समर्थन में खड़ी होते गईं।

विश्व कप 2023 में पाकिस्तान ने फिर अटकाया रोड़ा,

नजम सेठी ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मुकाबला खेलने से किया इंकार

कराची। (एजेंसी)। इस वर्ष अक्टूबर नवंबर में भारत में आईसीसी विश्व कप 2023 का आयोजन होना है। इस विश्व कप के आयोजन को लेकर भारत में कई तैयारियां हो रही है। हर बीतते दिने के साथ विश्व कप अधिक नजदीक आता जा रहा है। विश्व कप 2023 को लेकर पाकिस्तान कई बार गिदड़ भभकी दे चुका है कि वो विश्व कप का हिस्सा नहीं बनेगा। पाकिस्तान विश्व कप को लेकर अपनी नापाक हरकतों को लगातार जारी रखे हुए है।

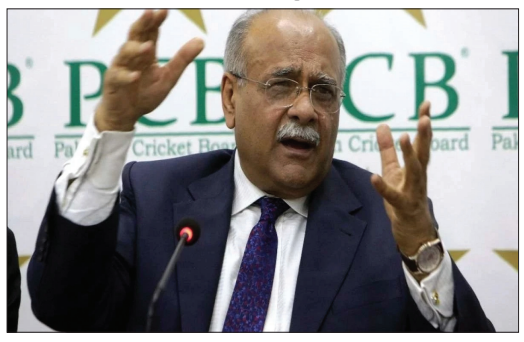

पाकिस्तान की टीम विश्व कप के आयोजन में कई तरह के अड़ंगे लगाने में जुटी हुई है। इसी बीच पाकिस्तान ने नया ड्रामा शुरू कर दिया है। अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष नजम सेठी ने आईसीसी के चेयरमैन ग्रेग बार्कले को विश्व कप के दौरान अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ खेलने को लेकर अपनी आशंकाओं से अवगत करा दिया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष नजम सेठी ने साफ किया है कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम विश्व कप के दौरान सिर्फ कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरू में ही मुकाबले खेलेगा। बता दें कि विश्व कप 2023 को लेकर हाल ही में बार्कले और आईसीसी महाप्रबंधक ज्यौफ अलार्डिस पीसीबी अधिकारियों से यह आश्वासन लेने आये थे कि पाकिस्तान भारत में आयोजित होने जा रहे विश्व कप में हिस्सा लेगा। साथ ही पाकिस्तान से ये भी आश्वासन लेना था कि पाकिस्तान वनडे विश्व कप में अपने मैच तटस्थ स्थान पर कराने की मांग नहीं करेगा।

हाइब्रिड मॉडल पर हंगामा

एसीसी 'हाइब्रिड मॉडल' पर एशिया कप के मैचों की मेजबानी की उनकी मांग ठुकराने जा रहा है। पीसीबी सूत्रों के अनुसार, ''सेठी ने बार्कले और अलार्डिस को सूचित कर दिया है कि पाकिस्तान अहमदाबाद में मैच नहीं खेलना चाहता जब तक कि यह नॉकआउट या फाइनल जैसा मैच ना हो।'' इसका सीधा अर्थ है कि पाकिस्तान की टीम लीग मुकाबलों को अहमदाबाद में खेलना नहीं चाहता है। उन्होंने कहा, ''उन्होंने आईसीसी से अनुरोध किया है कि अगर पाकिस्तान सरकार भारत जाकर विश्व कप खेलने की अनुमति देती है तो पाकिस्तान के मैच चेन्नई, बेंगलुरू और कोलकाता में कराये जायें।'' पाकिस्तान बोर्ड अहमदाबाद में टीम की सुरक्षा को लेकर चिंतित है हालांकि इंजमाम उल हक की कप्तानी में 2005 में पाकिस्तानी टीम ने मोटेरा पर मैच खेला था। सेठी ने यह भी कहा है कि अगले पांच साल के चक्र के लिये आईसीसी के राजस्व में अगर पाकिस्तान का हिस्सा बढाया नहीं जाता तो वे नये राजस्व मॉडल को स्वीकार नहीं करेंगे।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में काली पट्टी बांधकर उतरे खिलाड़ी

लंदन । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आज से यहां शुरु हुए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में दोनो ही टीमों के खिलाड़ी अपनी बांह पर काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे। दोनो ही टीमों के खिलाड़ियों ने ये काली पट्टी उड़ीसा रेल हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए बांधी हुई थीं। इस हादसे में तीन तीनों की टक्कर में कई लोगों को जान गंवानी पड़ी है। इसी कारण मैच शुरू होने से पहले मृतकों की याद में खिलाड़ियों ने मौन धारण भी किया। वहीं भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने एक बयान में कहा, टीम इस हादसे में मौतों पर शोक व्यक्त करती है और उन सभी लोगों के परिवारों और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती है, जिन्होंने दुखद रूप से अपनी जान गंवाई है।

शुभमन शीर्ष स्तर पर बेहतर प्रदर्शन में सक्षम : कोहली

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनमें गजब का कौशल है और वह शीर्ष स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। विराट ने उम्मीद जतायी कि शुभमन आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप डब्ल्यूटीसी) फाइनल में बेहतर बल्लेबाजी करेंगे। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि उन्हें शुभमन की बल्लेबाजी क्षमताओं पर भरोसा है। इस युवा बल्लेबाज ने गत एक साल में तीनों प्रारूपों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इस बल्लेबाज ने इस साल की शुरुआत में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय में शानदार दोहरा शतक भी लगाया था। इसके अलावा आईपीएल में भी उन्होंने तीन शतक के साथ ही कुल 890 रन बनाए। कोहली ने कहा कि शुभमन बेहद प्रतिभाली खिलाड़ी हैं और इस उम्र में भी उनमें उच्चतम स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने की क्षमता है। कोहली ने कहा, वह खेल को लेकर मुझसे काफी बातें करते हैं जिससे पता चलता है कि उनमें सीखने की उत्सुकता है। इस उम्र में भी उनमें गजब का कौशल है। उन्होंने कहा, उनके पास उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन करने की अद्भुत क्षमता और स्वभाव है और वह आश्वस्त हैं और हमारे बीच वह रिश्ता है और हमारे पास सम्मान के आधार पर समझ है। 15 टेस्ट मैचों में दो शतक अपने नाम करने के बाद भी शुभमन गिल अभी भी लाल गेंद से अपने कौशल का पूरी तरह से प्रदर्शन करने की प्रक्रिया में हैं। कोहली ने कहा, मैं उसे बढ़ने में सहायता करने और वास्तव में उसकी क्षमता को समझने और अपने दम पर आने के लिए उत्सुक हूं ताकि वह लंबे समय तक खेल सके और लगातार प्रदर्शन कर सके और भारतीय क्रिकेट को फायदा हो।

वेस्टइंडीज ने दूसरे एकदिवसीय में भी यूएई को हराकर सीरीज जीती

शारजाह (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाजों ब्रेंडन किंग और जॉनसन चार्ल्स की शानदार बल्लेबाजी की सहायता से वेस्टइंडीज ने दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भी यूएई को 78 रन से हराकर तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज में 2-0 से जीत दर्ज की है। वेस्टइंडीज ने पहले मैच में सात विकेट से जीत हासिल की थी।

वेस्टइंडीज की टीम की ओर से किंग ने 64 और चार्ल्स ने 63 रन बनाये। इन दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 129 रनों की साझेदारी हुई। इस प्रकार टीम ने 49.5 ओवर में 306 रन बनाये। इस मैच में अच्छी शुरुआत के बाद केसी कार्टी ने 32, शाई होप ने 23 और केवेम हॉज ने 26 रन बनाये। वहीं अंत में ओडियन स्मिथ ने 24 गेंद में 37 रन बनाकर अपनी टीम को 300 रनों के ऊपर पहुंचाया। वहीं यूएई की ओर से जहूर खान ने 44 रन देकर तीन विकेट लिए। वहीं अली नसीर, संचित शर्मा और अयान अफजल खान ने भी दो-दो विकेट लिए।

यूएई की टीम बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए लड़खड़ा गयी और 95 रन पर ही उसकी आधी टीम पेवेलियन लौट गयी। इसके बाद अली नसीर 57 और बासिल हमीद 49 ने

छठे विकेट के लिए 80 रन बनाकर अपनी टीम को सम्मान जनक स्कोर तक पहुंचाया पर अपनी टीम को हार से बचा नहीं पाये। यूएई की टीम ने सात विकेट पर 228 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से हॉज ने 46 जबकि रोस्टन चेस ने 49 रन देकर दो-दो विकेट लिए।

इस साल भारतीय फुटबॉल टीम को खेलने है कई टूर्नामेंट

नई दिल्ली । एशियाई कप को देखते हुए भारतीय टीम भुवनेश्वर में नौ से 18 जून तक हीरो इंटरकॉन्टिनेंटल कप और बेंगलुरु में सैफ चैंपियनशिप में 21 जून से चार जुलाई तक खेलेगी। वहीं इस साल के अंत में भारतीय टीम थाईलैंड में किंग्स कप और मलेशिया में मर्डेका कप में भी शामिल होगी। इसके साथ ही (एआईएफएफ) के अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने की योजना को मिडफील्डर लालेंगमाविया राल्टे ने सही करार दिया और कहा है कि इससे टीम को लाभ होगा पर खिलाड़ियों के चोटिल होने की आशंकाएं भी बढ़ जाएंगी। राल्टे ने कहा, ''यह पहली बार है जब भारतीय टीम एक साल में इतने सारे मैच खेलेगी। इससे हमारे खिलाड़ियों को मैदान पर बेहतर तालमेल बिठाने में सहायता मिलेगी क्योंकि हम आमतौर पर अपने राष्ट्रीय टीम के साथ कम ही मैच खेलते हैं।'' इस युवा खिलाड़ी ने कहा, '' फुटबॉल एक टीम खेल है, इसलिए साथ रहना अहम है। इसमें ये जानने की जरूरत है कि कौन सा खिलाड़ी किस तरह से अवसर बनाना पसंद करता है और कहां गेंद चाहता है। ऐसे में हम उसके साथ जितना अधिक खेलेंगे। हमारा समन्वय बेहतर होता जाएगा।''

मुचोवा और सबालेंका फेंच ओपन के सेमीफाइनल में

पेरिस। दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका और करोलिना मुचोवा ने फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल मे अपने-अपने मुकाबले जीतकर पहली बार सेमीफाइनल की टिकट पक्की की जहां दोनों खिलाड़ी गुरुवार को एक दूसरे के आमने सामने होंगे। सबालेंका ने येलिना स्वितोलिना को 6-4, 6-4 से मात दी जबकि गैरवरीय मुचोवा ने 2021 की उपविजेता अनास्तासिया पावलुचेनकोवा को 7-5, 6-2 से शिकस्त देकर अंतिम चार में जगह पक्की की। दोनों खिलाड़ी पहली बार इस ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे है। इससे पहले रोलां गौरां में दोनों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तीसरे दौर में पहुंचना था। यूक्रेन की खिलाड़ी स्वितोलिना ने मैच गंवाने के बाद बेलारूस की अपनी प्रतिद्वंद्वी से हाथ नहीं मिलाया। उनकी इस हरकत का दर्शकों के एक वर्ग ने शोर मचाकर विरोध किया। बेलारूस ने यूक्रेन हमले पर खुल कर रूस का समर्थन किया है। सबालेंका ने टूर्नामेंट में अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। इस से पहले खेले गये मुकाबले में मुचोवा के खिलाफ पावलुचेनकोवा के खेल पर थकान हावी रहा। उनका पिछला मुकाबला तीन घंटे से अधिक चला था। उन्होंने मुकाबले के दूसरे सेट में आसानी से घुटने टेक दिये। पहले सेट में मुचोवा को टक्कर देने के बाद पावलुचेनकोवा ने दूसरे सेट में वापसी की कोशिश की। उन्होंने कुछ दमदार मैदानी शॉट लगाये लेकिन 1-4 से पिछड़ने के बाद उनके लिए वापसी करना मुश्किल हो गया। मुचोवा दो साल पहले ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थी।

पीवी सिंधू के समर्थन में उतरे कोच गोपीचंद, कहा उनकी फॉर्म को लेकर परेशान होने की जरुरत नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय शटलर और ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधू की सिंगापुर ओपन में शुरुआत अच्छी नहीं रही है। ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु और मलेशिया मास्टर्स के विजेता एचएस प्रणॉय को पहले ही राउंड में बाहर होना पड़ा है। गत चैंपियन पीवी सिंधू को दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी जापान की अकाने यामागुची को कड़ी चुनौती पेश करनी पड़ी थी मगर इसके बाद भी वो टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

कोच आए बचाव में

सिंगापुर ओपन में दमदार प्रदर्शन करने में फेल हुई पीवी सिंधू की फॉर्म को लेकर कई सवाल भी उठने लगे है। इन सभी मामलों पर भारत के मुख्य बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद ने पीवी सिंधू का बचाव किया है। पुलेला गोपीचंद को लगता है कि चोट से वापसी करने के बाद दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू का अनिरंतर प्रदर्शन

चिंता का विषय नहीं होना चाहिए।

सिंधू को मंगलवार को फिर पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा जब वह सिंगापुर ओपन में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी अकाने यामागुची से हारकर बाहर हो गयीं। गोपीचंद ने कहा, ''वह काफी युवा खिलाड़ी है, वह महज 26-27 साल की है। इसलिये चिंता की कोई बात नहीं होनी चाहिए। वह अच्छा खेलना शुरु कर रही है। मुझे भविष्य में उसके अच्छे खेलने की उम्मीद है।'' रियो ओलंपिक 2016 में रजत पदक और तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू को पिछले साल टखने में चोट लगी थी जिससे वह बीडब्ल्यूएफ महिला एकल रैंकिंग में शीर्ष 10 से भी बाहर हो गयी थी। इस चोट के कारण वह चार महीने तक खेल से दूर रहीं।

कुछ समय से ऐसा है सिंधु का ग्राफ

एक घंटे से अधिक चले मुकाबले में तीन गेम में 21-18 19-21 17-21 से हार झेलनी पड़ी। वह पिछले हफ्ते थाईलैंड ओपन के भी पहले दौर में हार गईं थी। मलेशिया मास्टर्स के रूप अपना पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब जीतने के बाद इस टूर्नामेंट में उतरे प्रणय के पास युवा कोडाई नेरोका की चुनौती का कोई जवाब नहीं था। जापान के तीसरे वरीय खिलाड़ी ने 56 मिनट चले मुकाबले में 21-15 21-19 से जीत दर्ज की।

महिला जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट

चीनी ताइपे को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी भारतीय टीम

काकामिगाहारा (एजेंसी)। भारतीय टीम गुरुवार को यहां चीनी ताइपे के खिलाफ महिला जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के अपने अंतिम पूल मैच में जीत के साथ ही सेमीफाइनल में पहुंचने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने अब तक हुए अपने सभी मैच में शानदार प्रदर्शन किया है। पहले मैच में भारतीय टीम ने उज्बेकिस्तान को 22-0 से हराने के बाद मलेशिया को 2-1 से पराजित किया। वहीं अपने पिछले पूल मैच में भारतीय टीम ने दो गोल से पीछे होने के बाद भी शानदार वापसी दक्षिण कोरियाई टीम को 2-2 से बराबरी पर रोका।

भारतीय टीम अब पूल ए में दो जीत और एक ड्रॉ के साथ ही कुल सात अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गयी है। ऐसे में सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उसे चीनी ताइपे के खिलाफ केवल एक ड्रॉ की ही जरुरत है। भारत की ओर से अब तक मुमताज खान और दीपिका सोरेंग के अलावा दीपिका ने अब तक सभी मैचों में गोल दागे हैं और टीम को इनसे इस मैच में भी गोल की उम्मीद रहेगी। भारतीय टीम इस मैच में कमजोर टीम चीनी ताइपे के खिलाफ भी पूरी गंभीरता से उतरेगी।

भारतीय टीम की कप्तान प्रीति ने कहा, 'टूर्नामेंट अब तक हमारे लिए अच्छा रहा है क्योंकि हमने कोई मैच नहीं खोया है। मलेशिया और कोरिया के खिलाफ मुकाबले करीबी रहे पर इसने हमें अपनी क्षमताओं को दिखाने का अवसर मिला है। हाल के अपने अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए टीम को चीनी ताइपे के खिलाफ बड़ी जीत का भरोसा है।

भारत के पिस्टल निशानेबाजों ने सुहल जूनियर विश्व कप में दो और स्वर्ण पदक जीते

सुहल। भारत के पिस्टल निशानेबाजों ने आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को यहां दो और स्वर्ण पदक जीते। भारत ने यह पदक पुरुषों की 25 मीटर स्पर्धा और महिलाओं के 25 मीटर टीम स्पर्धा में जीते। पुरुषों की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में अमनप्रीत सिंह ने 586 अंक बनाकर सोने का तमगा हासिल किया जबकि महिलाओं की 25 मीटर की स्पर्धा में मेघना सादुला, पायल खत्री और सिमरनप्रीत कौर बराड़ ने 1719 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय टीम ने अब तक पांच स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं और वह पदक तालिका में शीर्ष पर काबिज है। प्रतियोगिता में अभी दो दिन का खेल होना बाकी है। महिलाओं की व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत के तीन निशानेबाज मेघना, पायल और दिव्यांशी फाइनल में पहुंची। फाइनल में मेघना 22 अंक के साथ चौथे, पायल 18 अंक के साथ पांचवें और दिव्यांशी 11 अंक के साथ सातवें स्थान पर रही। पुरुषों की व्यक्तिगत स्पर्धा में अमनप्रीत के अलावा स्वराज भोंडावे 574 अंक के साथ आठवें, मेशाक पोन्नुदुरई 574 अंक लेकर नौवें, अभिमन्यु यादव 571 अंक के साथ 13वें और अंकित तोमर 569 अंक के साथ 14वें स्थान पर रहे। पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में अविनाश यादव 573 के स्कोर के साथ 28वें, परीक्षित सिंह बराड़ 572 के साथ 31वें, रामन्या तोमर 567 के साथ 40वें और हर्ष सिंह 566 के स्कोर के साथ 45वें स्थान पर रहे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

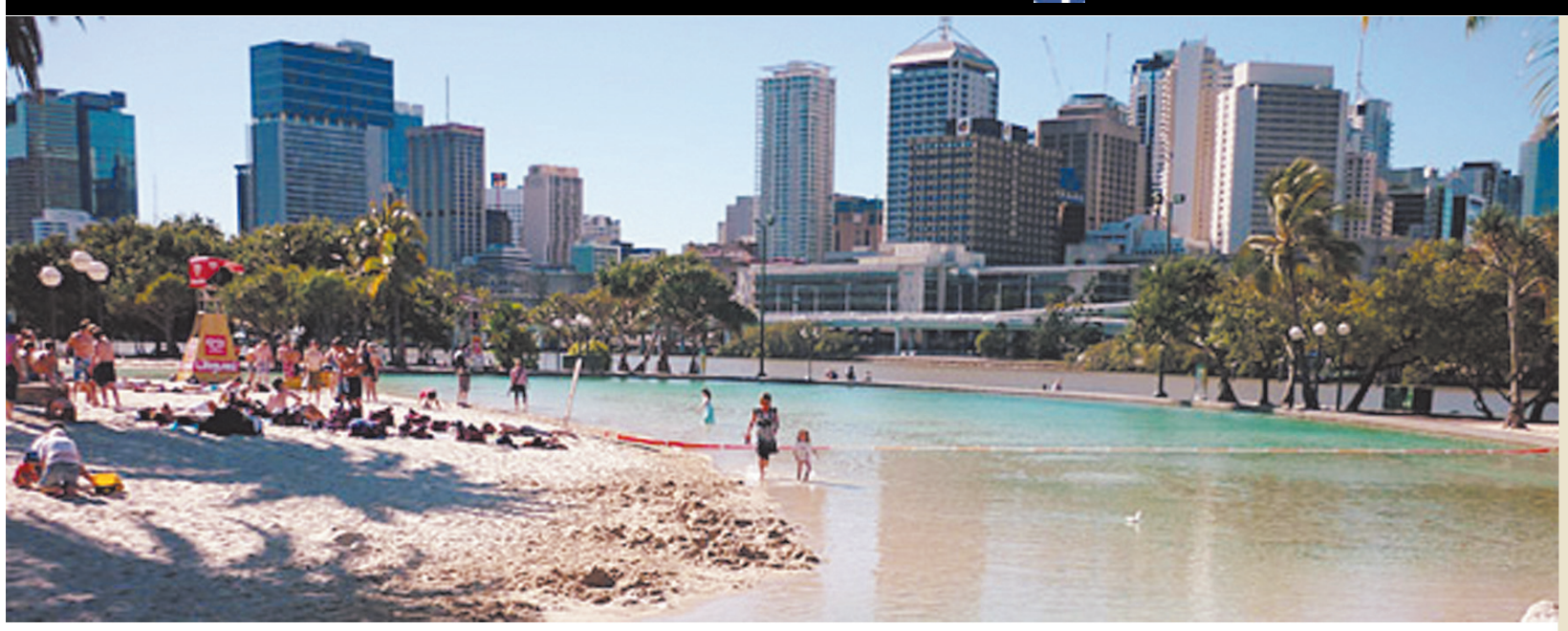

पर्यटकों को लुभाते हैं ब्रिस्बेन के समुद्री तट

ब्रिस्बेन आस्ट्रेलिया का तीसरा सबसे बड़ा शहर है। ब्रिस्बेन महानगर होने के बावजूद एक ऐसे कस्बे जैसा लगता है, जहां लोग आपका बहुत गर्मजोशी से स्वागत करते हैं और अपनी मनमोहक मुस्कान बिखेरते हुए आगे बढ़ते हैं। ब्रिस्बेन नदी के दोनों किनारों पर बसा हुआ क्वींसलैंड राज्य की राजधानी है। यहां अक्सर धूप निकली रहती है, इसीलिए इसके गोल्ड कोस्ट तथा सनशाइन कोस्ट जैसे आकर्षक समुद्र तटों पर सैलानियों की भीड़ जुटी रहती है।

एनजैक स्कवायर के सामने एन स्ट्रीट स्थित सेंट्रल स्टेशन से आप इस शहर की यात्रा की शुरुआत कर सकते हैं। उपनगरीय रेल सेवाओं के लिए यह भव्य रेलवे स्टेशन 1900 में बनाया गया था। एनजैक स्कवायर में दूसरे विश्व युद्ध में मारे गए आस्ट्रेलिया के लोगों की याद में एक स्मारक बनवाया गया है जिसे श्राइन आफ रिमेंमबेरेंस नाम दिया गया है। यह गोलाकार ग्रीक टेंपल के आकार का बनाया गया है। इसके निकट ही उत्तर पश्चिम में नगर की सबसे पुरानी इमारत है, जहां कभी आटा पीसने की चक्की बनाई गई थी, लेकिन कुछ तकनीकी कारणों से यह चक्की चली ही नहीं। बाद में बंदियों से यहां हाथ से आटा पिसवाया जाता था, जिसकी वजह से यह स्थान यातनागृह के नाम से मशहूर हो गया। सिटी हाल एक शानदार इमारत है यह जार्ज स्क्वायर में स्थित है और आसपास की तमाम नई ऊंची-ऊंची इमारतों के बीच आज भी आकर्षण का एक प्रमुख केंद्र बनी हुई है। क्लाक टावर की सबसे ऊपर की मंजिल से पूरे ब्रिस्बेन का नजारा लेकर आप निश्चय ही मंत्रमुग्ध हो उठेंगे। मुख्य हाल में आप 19वीं सदी की कलाकृतियों को भी देख सकते हैं।

सिटी हाल के दक्षिण में स्थित है ब्रिस्बेन का मशहूर क्वीन स्ट्रीट माल। यहां किसी भी प्रकार का वाहन नहीं जा सकता और इसमें मुख्य सड़क के दोनों ओर अनेक बड़े-बड़े डिपार्टमेंटल स्टोरों से लेकर छोटी-छोटी दुकानें भी आपको मिल जाएंगी, जहां आप निश्चिंत होकर खरीदारी कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आपके मनोरंजन के लिए यहां अनेक सिनेमाघर और रेस्तरां भी हैं। इसी क्षेत्र के विक्टोरिया पुल के पास ही एक अतिआधुनिक तथा विशाल कला केंद्र है जिसमें कलादीर्घा, रंगमंच, पुस्तकालय तथा संग्रहालय एक ही स्थान पर देखने को मिलते हैं। इन सबका अच्छी तरह आनंद उठाने के लिए आपको कम से कम तीन-चार घंटे का समय तो चाहिए ही। कलादीर्घा में 19वीं और 20वीं सदी की यूरोपीय तथा आस्ट्रेलियाई कलाकृतियां भी आप देख सकते हैं।

ब्रिस्बेन का चाइना टाउन हालांकि सिडनी के चाइना टाउन जितना बड़ा तथा भव्य नहीं है, लेकिन फिर भी यहां आने के बाद आपको पछतावा नहीं होगा क्योंकि इस नगर के अन्य आकर्षणों में संसद भवन तथा बोटेनिकल गार्डन भी शामिल हैं। यहां आसपास में डिस्को पब भी हैं आप चाहें तो वहां जाए या फिर मन करे तो बोटेनिकल गार्डन में बैठें। ब्रिस्बेन का वन्य जीवन देखे बिना आपकी यात्रा अधूरी रहेगी, अतः इसका भी आनंद लें। इसके लिए आप बुनया पार्क जा सकते हैं। इस पार्क तक जाने के लिए आप नदी मार्ग से नौका विहार का आनंद लेते हुए जा सकते हैं। इस पार्क में आपको कोआला भालू, कंगारू, कूकाबुरा तथा ईमू जैसे आस्ट्रेलिया के सैंकड़ों प्रकार के पशु-पक्षी देखने को मिलेंगे। बच्चों के मनोरंजन के लिए तथा इन अनोखे जीवों से उन्हें निकट से मिलवाने के लिए इससे बढ़कर और कोई बढ़िया जगह नहीं हो सकती।

हिमालय के विहंगम दृश्यों से भरा मुक्तेश्वर

उत्तराखंड के नैनीताल जिले में हैं बेहतरीन पर्यटक स्थल मुक्तेश्वर। नैनीताल से 51 किलोमीटर दूर यह जगह कुमाऊं हिल पर लगभग 7500 फीट ऊंचाई पर है। मुक्तेश्वर का नाम यहां 350 साल पुराने शिव मंदिर मुक्तेश्वर धाम के नाम पर पड़ा। यह मंदिर इस शहर के सबसे ऊंचे स्थान पर है। मंदिर वेटेरिनरी इंस्टीट्यूट के पास है। यहां रॉक क्लाइबिंग व रैपलिंग की भी सुविधा है, जहां से घाटी का बेहतरीन नजारा दिखाई देता है। मुक्तेश्वर संतों का आवास स्थल रहा है। श्री मुक्तेश्वर महाराज जिनका निवास स्थल मंदिर के पास ही था, वहां आज इनकी समाधि है। पूरा मंदिर एक तपोवन की तरह है और यह ध्यान के लिए बेहतरीन जगह है।

प्रकृति का अद्भुत सौंदर्य समेटे मुक्तेश्वर पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। चौली की जाली से प्राकृतिक नजारे को देखा जा सकता है। यहां से गिद्ध और अन्य पक्षियों की उड़ान और शिकार करते भी देख सकते हैं। देवदार के जंगल, बर्फ की चोटियां और वन्य प्राणियों जैसे बाघ और भालू अनायास दिखाई दे जाते हैं। ये यहां के आकर्षण हैं। मुक्तेश्वर की असली खूबसूरती वहां की प्रकृति में तो है ही, देवदार के जंगलों में बहती हवाओं की आवाज रोमांच पैदा करती है। चिड़ियों की चहचहाहट मन को निर्मल करती है और पर्यटक ध्यानमग्न होकर शांति की तलाश करते हैं।

मुक्तेश्वर प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है। खासकर हिमालय का खूबसूरत विहंगम दृश्य। यहां भारत की दूसरी सबसे ऊंची चोटी नंदा देवी है। पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण मुक्तेश्वर खेती के लिए बेहतर माना जाता है। आलू की खेती के साथ-साथ यहां के हिलसाइड में आर्किड की भी खेती की जाती है। लेखक जिम कार्बेट ने अपनी किताब मैन-इटर्रस आफ कुमाऊं के यहां के जंगलों के फायदे और रोमांच के बारे में जिक्र किया है। मुक्तेश्वर में इंडियन वेटेनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट भी देख सकते हैं। यहां का मौसम उत्तरी भारत के इलाकों जैसा ही है। यहां गर्मियां थोड़ी कम पड़ती हैं। यहां गर्मियों में भी हल्की बारिश का मजा लिया जा सकता है। मानसून में यहां ठंडक रहती है। सर्दियों में मुक्तेश्वर बर्फ की तरह जमा देने वाली ठंड की चपेट में होता है। ग्यारह मार्च 2010 में यहां लोकल कम्युनिटी रेडियो कुमाऊं वाणी की शुरूआत की गई। यह रेडियो वहां के निवासियों को पर्यावरण, खेती, संस्कृति, मौसम और शिक्षा के बारे में वहीं की भाषा में प्रोग्राम पेश करता है। दस किलोमीटर के दायरे तक इस रेडियो का प्रसारण सुना जा सकता है। हाल ही में यहां पर टेरी ने रिन्यूअवल पार्क बनाया है जहां सौर ऊर्जा उत्पादन किया जाता है। मुक्तेश्वर जाने के लिए नजदीकी हवाई अड्डा पंतनगर और काठगोदाम रेलवे स्टेशन हैं। भीमताल और नैनीताल से बस या टैक्सी से भी यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है।

पहाड़ों की चादर ओढ़े मेघालय

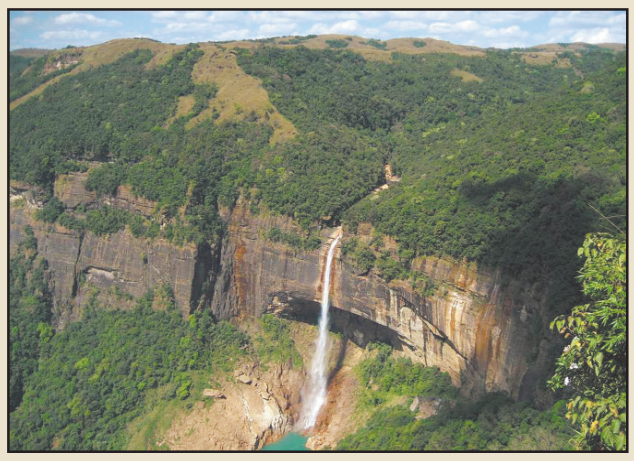

मेघालय देश के उत्तरी पूर्व क्षेत्र का खूबसूरत राज्य है जिसे देख कर लगता हैं मानो इसने पहाड़ की चादर ओढ़ रखी हो। इस राज्य का एक तिहाई हिस्सा घने जंगलों से भरा है। इस राज्य को पूरब का स्काटलैंड कहा जाता है। यहां पूरे देश के मुकाबले बहुत ज्यादा बारिश होती है।

मेघालय बायोडाइवरसिटी यानी जैविक विविधता से भरपूर है। यहां पौधे, जीव-जन्तु और पक्षियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं। मेघालय में खेती में प्राथमिकता दी गई है। यहां की मुख्य फसलें हैं- केला, मक्का, अनानास, आलू और चावल। मेघालय की शिलांग चोटी को यहां के निवासी भगवान का निवास स्थल मानते हैं। पर्यटकों का यहां हर समय तांता लगा रहता है। इस राज्य की खूबसूरती और इसके मनमोहक दृश्य के कारण पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यहां तीन वाइल्ड लाइफ सैंक्चरी और दो नेशनल पार्क हैं। ट्रैकिंग, हाइकिंग और पर्वतारोहण के दीवानों के लिए यह जगह बेहतर है। यहां यूमियान लेक में वॉटर स्पोर्ट्स का मजा लिया जा सकता है। यहां के लोगों में वॉटर स्पोर्ट्स काफी लोकप्रिय है। चूना पत्थर और बलुआ पत्थर से बनी लगभग 500 गुफाएं यहां मौजूद हैं। जिनमें से कुछ ऐसी भी हैं, जो देश की सबसे लंबी और गहरी गुफा है। ये गुफाएं देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। इस राज्य का सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल है चेरापूंजी। यहां के अद्भुत प्राकृतिक दृश्य पूरे उत्तरी-पूर्व भारत में सबसे अनोखे और दर्शनीय हैं।

यहां कई वाटरफॉल हैं। जैसे शेदेथम फॉल्स, विनिया फॉल्स, एलिफेंट फाल्स, नोहकालीलाई, स्वीट फॉल्स, विशप्स फाल्स और लैंगशियांग फॉल्स। इन झरनों की खूबसूरती देखते बनती है। मेघालय को खैसिस, जैंटिया और गैरो हिल्स के अनुसार विभिन्न भागों में बांटा गया है। यहां कई नदियां हैं, जिनमें कुछ मौसमी हैं। इनमें से कुछ नदियां खूबसूरत वाटरफॉल बनाती हैं। मेघालय घूमने का सबसे अच्छा मौसम है गर्मियां। वैसे आप मेघालय कभी भी जाएं गर्म कपड़ों की जरूरत हमेशा पड़ती है। सड़क, रेल और हवाई यातायात के साथ यहां हेलिकॉप्टर सेवा भी उपलब्ध है, जो शिलांग से गुवाहाटी को जोड़ती है।

बांग्लादेश में ट्रक और पिकअप में आमने-सामने की टक्कर, 14 की मौत

ढाका । बांग्लादेश के सिलहट जिले में ट्रक और पिकअप वैन की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हुए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सभी मृतक मजदूर थे। यह हादसा सुबह करीब छह बजे हुआ। पुलिस अधिकारी के अनुसार, सभी घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। मुख्य रूप से जर्जर राजमार्गों, खराब रखरखाव वाले वाहनों, चालकों द्वारा यातायात नियमों के उल्लंघन और यातायात विभाग की निगरानी की कमी के कारण बांग्लादेश में सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। इसलिए यहां मृत्यु दर सबसे अधिक है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश में ईद-उल-फितर त्यौहार के दौरान 15 अप्रैल से 29 अप्रैल तक 304 सड़क दुर्घटनाओं में कम से कम 328 लोग मारे गए हैं और 565 अन्य घायल हो गए।

वर्जीनिया कॉमनवेल्थ विवि के पास गोलीबारी में दो की मौत, पांच घायल

वर्जीनिया। अमेरिका के वर्जीनिया प्रांत के रिचमंड में कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी के पास हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है जबकि पांच लोग घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एक हाई स्कूल स्नातक समारोह के बाद वर्जीनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी के पास हुई गोलीबारी में अभी तीन की हालत गंभीर है। रिचमंड के पुलिस प्रमुख रिक एडवर्ड्स ने कहा कि इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि वर्जीनिया के रिचमंड में हाई स्कूल ग्रेजुएशन समारोह के बाद अल्ट्रिया थिएटर के बाहर मंगलवार शाम को हुई गोलीबारी में कई लोग घायल हो गए। रिचमंड पुलिस प्रवक्ता ट्रेसी वाकर ने चोटों की पुष्टि की और कहा कि लोगों को तत्काल कोई खतरा नहीं है। रिचमंड पब्लिक स्कूल के अधिकारी मैथ्यू स्टैनली ने कहा कि ह्यूगनॉट हाई स्कूल से ग्रेजुएशन के बाद मुनरो पार्क में शूटिंग हुई। यह पार्क वर्जीनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी के परिसर में थिएटर के सामने सड़क के पार है। स्टेनली ने कहा हमने आज शाम बाद में निर्धारित एक अन्य स्कूल के स्नातक समारोह रद कर दिया है। स्कूल प्रणाली की वेबसाइट के अनुसार मंगलवार को अल्ट्रिया थिएटर में तीन स्कूलों के लिए ग्रेजुएशन समारोह को निर्धारित किया गया था। वर्जीनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी द्वारा शाम 5 बजे भेजे गए एक अलर्ट में कहा गया है कि मुनरो पार्क में शूटिंग हुई है। रिचमंड के मेयर लेवर एम. स्टोनी ने स्थिति के बारे में ट्विटर पर एक बयान जारी किया। स्टोनी ने ट्वीट किया कि वर्तमान में मोनरो पार्क में स्थिति की निगरानी कर रहा हूं। आरपीडी और आरपीएस के संपर्क में हूं। जैसे ही कोई जानकारी आती है, जानकारी उपलब्ध कराएंगे।

पाकिस्तान में रात 8 बजे दुकानें बंद करने का तुगलकी फरमान जारी

इस्लामाबाद । आर्थिक तंगी झेल रहे पाकिस्तान में रात आठ बजे दुकानें बंद करने का तुगलकी फरमान जारी किया गया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान को अब आईएमएफ से छोड़िए दोस्त देशों से भी कर्ज नहीं मिल रहा है। इससे देश में आर्थिक संकट विकराल होता जा रहा है और पाकिस्तान के डिफॉल्ट होने का खतरा मंडरा रहा है। इस संकट से उबरने और पैसे बचाने के लिए अब पाकिस्तान ने तुगलकी प्लान बनाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पाकिस्तान की संघीय और प्रांतीय सरकारों ने एक राय से फैसला किया है कि रात को 8 बजे देश में दुकानें बंद कर दी जाएंगी। पाकिस्तान के प्लानिंग मिनिस्टर अहसान इकबाल ने कहा कि इस फैसले को देश में ऊर्जा बचाने के प्रयास के तहत लिया गया है। इकबाल ने राष्ट्रीय आर्थिक परिषद की बैठक में इस फैसले की सूचना दी। यह बैठक इस्लामाबाद में हुई थी और इसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने की थी। इकबाल ने कहा कि सिंध, पंजाब ओर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्रियों ने इस बैठक में हिस्सा लिया था। मंत्री ने दावा किया कि इस कदम से हर साल 1 अरब डॉलर बचाया जा सकेगा। इकबाल ने कहा कि संसाधनों को बचाने के लिए यह आदेश दिया गया है। क्योंकि पाकिस्तान के लिए ऊर्जा संकट बड़ी चुनौती बन गया है। मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान सरकार को तेल के आयात को कम करना चाहिए और ऊर्जा बचाने पर फोकस करना चाहिए। सरकार अब ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देगी। शहबाज शरीफ सरकार ने सभी विभागों को निर्देश दिया है कि वे बिजली की खपत में 30 फीसदी की कमी करें। पाकिस्तान इस समय कर्ज के लिए भीख मांग रहा है और उसे अपना अमेरिका स्थित होटल तक लीज पर देना पड़ा है। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान आईएमएफ से कर्ज मांग रहा है ताकि देश को डिफॉल?ट होने से बचाया जा सके। वहीं आईएमएफ ने पाकिस्तान को कर्ज देने से किनारा कर लिया है।

एअर इंडिया के विमान पर अमेरिका की करीबी नजर

वाशिंगटन । सैन फ्रांसिस्को जा रहे एअर इंडिया के विमान को आपात स्थिति में रूस में उतारे जाने के मामले पर अमेरिका करीबी नजर रख रहा है। हालांकि एअर इंडिया ने मंगलवार शाम को एक बयान में कहा था कि एअर इंडिया की उड़ान संख्या एइआई-173 छह जून को दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को के लिए रवाना हुई थी, तभी विमान के एक इंजन में तकनीकी खराबी आने की जानकारी मिली। बयान में बताया गया था कि विमान में 216 यात्री और चालक दल के 16 सदस्य सवार थे तथा इसे रूस के मगादान हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतार लिया गया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने मीडिया को बताया कि हमें अमेरिका आ रहे एक विमान को आपात स्थिति में रूस में उतारे जाने के बारे में जानकारी मिली है। हम स्थिति पर करीबी नजर रख रहे हैं। मैं अभी विमान में सवार अमेरिकी नागरिकों की संख्या के बारे में नहीं बता सकता।' उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, 'यह अमेरिका आ रही उड़ान थी, तो यकीनन इसमें अमेरिकी नागरिक भी सवार होंगे। खबरों के अनुसार, एअर इंडिया ने बताया है कि वह यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए दूसरा विमान भेज रही है, लेकिन मैं चाहूंगा कि विमानन कंपनी इस मामले में आगे कुछ भी नहीं बोले।

माइक पेंस आयोवा से करेंगे चुनाव प्रचार की शुरुआत

डेस प्लेन्स । अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस रिपब्लिन पार्टी से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी हासिल करने के लिए बुधवार को आयोवा से अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे। वह ट्रंप के खिलाफ अपना चुनाव प्रचार शुरु करेंगे। गौरतलब है कि पेंस पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में उपराष्ट्रपति थे। ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि वह रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने की दौड़ में शामिल होंगे। ऐसा पहली बार होगा, जब रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी हासिल करने की कोशिश में किसी पूर्व राष्ट्रपति को अपने उप राष्ट्रपति की चुनौती का सामना करना पड़ेगा। पेंस और उनके सलाहकार आयोवा को उनके नामांकन के लिए महत्वपूर्ण स्थान मान रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी के भीतर नामांकन संबंधी मतदान सबसे पहले इसी राज्य में होगा। आयोवा में बड़ी संख्या में ईसाई मतदाता हैं और पेंस के समर्थक इस राज्य को पूर्व उपराष्ट्रपति के संभावित निर्वाचन क्षेत्र के रूप में देखते हैं। उन्हें यह भी लगता है कि कांग्रेस में इंडियाना का प्रतिनिधित्व करने वाले पेंस का व्यक्तित्व इस राज्य के लिए उपयुक्त है। पेंस की उम्मीदवारी का समर्थन करने के लिए पिछले महीने शुरू किए गए 'सुपर पीएसी' अभियान के सह-अध्यक्ष स्कॉट रीड ने कहा, 'हमारा मानना है कि जीत का रास्ता आयोवा और उसकी 99 काउंटी से होकर गुजरता है।

बोंडी बीच पर पॉटी का बना ढेर...लोग छू-छूकर ले रहे सेल्फी!

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया में समुद्र में बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा अनोखा तरीक अपनाया है। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया में समुद्र में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है, इसपर लगाम लगाने के लिए वहां के बोंडी बीच पर लगभग 4 मीटर तक ऊंची पॉटी की आक्रति खड़ी की गई है। इस पॉटी की आकृति को वेस्ट आइटम्स से तैयार किया गया है और इस आक्रति को इंसान की पॉटी का रूप दिया गया है। इस देखने के लिए लोग दूर-दूर से आ रहे है और लोग इस आकृति को छू कर सेल्फी लेते दिखाई दिए। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया में समुद्र में प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखकर वहां कई तरह के जागरूक कार्यक्रम बनाए गए जहां लोगों को प्रदूषण के प्रति अवेयरनेस दी गई। इसके पहले ऑस्ट्रेलिया के पर्यावरण मंत्री ने इस बात की जानकारी देकर बताया कि समुद्र में लोगों द्वारा फेंके जा रहे कचरे और प्लास्टिक की वजह से समुद्री जीवन प्रभावित हो रहा है।

पेरिस में पेंशन सुधारों के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोग 2024 ओलंपिक खेलों के मुख्यालय के बाहर नारेबाजी करते हुए।

भारतीय संसद में अखंड भारत का नक्शा लगाने से भड़के बांग्लादेशी

ढाका। भारतीय संसद की नई बिल्डिंग में अखंड भारत का नक्शा विवाद का कारण बनता जा रहा है। इसे लगाए जाने पर बांग्लादेशी नेता भड़क उठे हैं। अब बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री शहरियार आलम ने कहा है कि हमारी सरकार भारत सरकार से इस पूरे मामले में सफाई मांगने जा रही है। इससे पहले नेपाल और पाकिस्तान में भी इस भित्तिचित्र को लेकर अपना कड़ा विरोध जताया है। बांग्लादेशी मंत्री ने बताया कि हमने नई दिल्ली में अपने उच्चायोग को निर्देश दिया है कि वह भारत के विदेश मंत्रालय से अखंड भारत के नक्शे पर संपर्क करे। इस भित्तिचित्र में बांग्लादेश, नेपाल और पाकिस्तान का इलाका भी शामिल है। इससे पहले भारतीय विदेश मंत्रालय ने साफ किया है कि यह कोई अखंड भारत का नक्शा नहीं बल्कि सम्राट अशोक के शासन का इलाका है। बांग्लादेशी मंत्री आलम ने ढाका में पत्रकारों से कहा कि सरकार भारत से इस बारे में जवाब मांगने की प्रक्रिया में है। आलम ने यह टिप्पणी ऐसे समय पर की है जब दो दिन पहले ही बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी ने इस भित्तिचित्र को बांग्लादेश की स्वंतत्रता और संप्रभुता को खतरा करार दिया था। मंत्री आलम ने कहा कि इस नक्शे को लेकर व्यापक स्तर पर गुस्सा है। आलम ने कहा कि हम भारत के विदेश मंत्रालय से सफाई मांग रहे हैं कि उनका आधिकारिक रुख क्या है। इससे पहले नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टाराई ने इस भित्तिचित्र को लेकर भारत को चेतावनी दी थी। इस नक्शे में नेपाल के लुंबिनी और कपिलवस्तु को भी दिखाया गया है। बांग्लादेशी मंत्री ने भारतीय विदेश मंत्रालय के बयान से सहमति जताई और माना कि यह भित्तिचित्र राजनीतिक वास्तविकता को नहीं बल्कि सांस्कृतिक विस्तार को दिखाता है।

यूक्रेन में बांध टूटने से 24 गांव पानी में डूबे, 42 हजार लोगों पर खतरा मंडराया

रूस ने यूक्रेन पर हमला के तौर पर किया बांध का आंशिक विनाश : यूएन चीफ एंटोनियो गुटेरेस

कीव (एजेंसी)। (ईएमएस)। यूक्रेन में नोवा कखोवका बांध टूट है, जिससे बाढ़ आ गई है। अधिकारियों का अनुमान है कि बाढ़ से लगभग 42 हजार लोगों पर खतरा मंडरा रहा है, जिसके चरम पर पहुंचने की आशंका है। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए फुटेज में रूसी नियंत्रित शहर नोवा कखोवका में भयंकर बाढ़ दिखाई दे रही है। नोवा कखोवका और आसपास की दो बस्तियों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के लिए 53 निकासी बसें भेजी जा रही हैं। यूक्रेनी अधिकारी 17 हजार से अधिक लोगों को निकाल रहे हैं। यूक्रेन के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि 24 गांवों में बाढ़ आ गई है। यूक्रेन ने अनुमान लगाया है कि लगभग 100 गांवों और कस्बों में बाढ़ आएगी और 5 से 7 दिनों के बाद ही पानी के स्तर में गिरावट आएगी।

दक्षिणी यूक्रेन में रूस के कब्जे वाले एक डैम पर मंगलवार को हुए हमले के बाद भारी मात्रा में पानी बहने लगा। दो दर्जन गांवों में बाढ़ आ गई और 17 हजार लोगों को वहां से निकालना पड़ा। रूसी अधिकारियों ने यूक्रेन को दोषी ठहराया, जबकि कीव ने रूसी सेना पर इस हमले का आरोप लगाया है। बाढ़ से प्रभावित लगभग 80 समुदायों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए बसों, ट्रेनों और निजी वाहनों का इस्तेमाल किया गया। नदी तट पर

स्थित काज़कोवा डिब्रोवा चिड़ियाघर पूरी तरह से बाढ़ में डूब गया था और सभी 300 जानवर मर गए।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने रूस पर बांध को उड़ाने का आरोप लगाया और अधिकारियों के हवाले से कहा कि 80 बस्तियों तक बाढ़ आने की आशंका है और दुनिया से प्रतिक्रिया करने का आग्रह किया। यह बांध यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र के लिए ठंडा पानी प्रदान करता है। पश्चिमी शक्तियों ने भी नुकसान के लिए रूस को दोषी ठहराया। यूएन चीफ एंटोनियो गुटेरेस ने मंगलवार को कहा कि यूक्रेन में कखोवका बांध का आंशिक विनाश रूस ने अपने पड़ोसी पर आक्रमण के तौर पर किया है।

ताइवान को लेकर चीन और अमेरिका आमने-सामने, एक और युद्ध का खतरा

ताइपे (एजेंसी)। ताइवान को लेकर चीन और अमेरिका के बीच कभी भी युद्ध छिड़ सकता है। लेकिन दुनिया पर यह युद्ध भारी पड़ जाएगा। अमेरिका के रक्षा मंत्री लार्ड आस्टिन बीते दिनों सिंगापुर में थे। चीन के रक्षा मंत्री ने इस दौरान कहा कि चीन और अमेरिका के बीच अगर युद्ध हुआ तो दुनिया उसे सह नहीं पाएगी। ये बयान उस समय आया जब चीन की खाड़ी में चीन और अमेरिकी युद्धपोत एक दूसरे के इतने नजदीक आ गए कि उनके टकराने की नौबत आ गई। गौरतलब है कि ताइवान की खाड़ी में अमेरिका और कनाडा के युद्धपोत युद्धाभ्यास कर रहे थे। इस दौरान अमेरिकी युद्धपोत आगे बढ़ रहा था। तभी चीन का युद्धपोत उसके रास्ते को काटने के लिए आगे बढ़ने लगा।चीन के सैनिक जहाज ने ताइवान की समुद्री सीमा में तैनात अमेरिकी वॉरशिप का असुरक्षित तरीके से रास्ता काटा। उस समय दोनों जहाजों के बीच दूरी महज 150 मीटर रह गई थी। इसके बाद चीन का जहाज वहां से निकल गया। यह घटना ताइवान स्ट्रेट पर शनिवार को हुई, जिसका विडियो अमेरिका ने सोमवार को जारी किया। इस घटना के कारण हादसे को रोकने के लिए अमेरिकी वॉरशिप को अपनी रफ्तार धीमी करनी पड़ी। थी।

घटना के दौरान अमेरिकी वॉरशिप यूएसएस चुंग-हून और कनाडाई जंगी जहाज एचएमसीएस मॉन्ट्रियल ताइवान और चीन के मुख्य भू-भाग के बीच स्थित ताइवान स्ट्रेट पर आवाजाही की आजादी के तहत यात्रा कर रहे थे। चीन से कहा कि यह समुद्री नियमों के खिलाफ चीन के रास्ता रोकने पर अमेरिका की हिंद-प्रशांत कमान ने कहा कि ऐसी हरकत अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में सुरक्षित रूप से गुजरने के समुद्री नियमों का उल्लंघन हैं। चीन ने अपने कदम का बचाव किया है। इससे पहले मई के आखिरी हफ्ते में एक वीडीयो अमेरिका की तरफ से जारी किया गया था। जिसमें चीन का फाइटर प्लेन अचानक अमेरिका के प्लेन के काफी करीब आता है। फिर टर्न करता हुआ वापस चला जाता है। ऐसा लगा कि चीन ने जानबूझकर ऐसा किया। शायद उनका मकसद अमेरिका के फाइटर पायलट को दहशत में डालना था।

राष्ट्रपति मुर्मू ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अर्पित की पुष्पांजलि

पारामारिबो (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को सूरीनाम के अपने समकक्ष चंद्रिकाप्रसाद संतोखी के साथ राजधानी पारामारिबो में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति मुर्मू तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर रविवार को सूरीनाम पहुंचीं। पिछले साल जुलाई में राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा है। राष्ट्रपति भवन ने ट्वीट किया, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद संतोखी के साथ पारामारिबो में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने सूरीनाम के पारामारिबो में आर्य दिवाकर मंदिर और श्री विष्णु मंदिर में पूजा अर्चना भी की। राष्ट्रपति मुर्मू ने पारामारिबो में गेवलेन हेल्डेन 1902 के स्मारक पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की। यह स्मारक सूरीनाम के इतिहास में श्रमिकों के अधिकारों और सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष की याद दिलाता है। उन्होंने पारामारिबो में एक संग्रहालय का भी दौरा किया। राष्ट्रपति भवन ने ट्वीट किया, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पारामारिबो में लल्ला रूख संग्रहालय का दौरा किया। संग्रहालय के संग्रह में ऐसी कलाकृतियां और अवशेष हैं जो भारत से 150 साल पहले हिंदुस्तानी समुदाय द्वारा सूरीनाम तक की कठिन यात्रा से संबंधित हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने यूक्रेनी बांध टूटने के गंभीर परिणामों की दी चेतावनी

कीव (एजेंसी)। दक्षिणी यूक्रेन में कखोवका पनबिजली संयंत्र बांध के नष्ट होने से जनजीवन पर असर पड़ने वाला है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के अवर महासचिव और आपातकालीन राहत समन्वयक मार्टिन ग्रिफिथ्स ने उसके गंभीर परिणामों की चेतावनी दी है। मिली जानकारी के अनुसार, ग्रिफिथ्स ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपात बैठक में कहा, फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरूआत के बाद से बांध का नष्ट होना संभवतः नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान की सबसे बड़ी घटना है। उन्होंने कहा, इस तबाही की भयावहता आने वाले दिनों में पूरी तरह से महसूस की जाएगी। लेकिन यह पहले से ही स्पष्ट है कि दक्षिणी यूक्रेन में हजारों लोगों के लिए इसके गंभीर और दूरगामी परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि बांध द्वारा निर्मित कखोवका जलाशय, इस क्षेत्र की जीवन रेखा है और लाखों लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण जल स्रोत है, न केवल खेरसॉन में बल्कि जपोरिजिया और निप्रो ओब्लास्ट में भी। ग्रिफिथ्स ने कहा ?कि बांध दक्षिणी खेरसॉन और क्रीमिया प्रायद्वीप में कृषि सिंचाई का एक प्रमुख स्रोत है। निरंतर बाढ़ कृषि गतिविधियों को बाधित करेगी, पशुधन और मत्स्य पालन को नुकसान पहुंचाएगी, और व्यापक दीर्घकालिक परिणाम लाएगी। यह खाद्य उत्पादन क्षेत्र के लिए एक बड़ा झटका है जो पहले से ही काफी क्षतिग्रस्त है।

मार्टिन ग्रिफिथ्स ने कहा कि हम विशेष रूप से खदान और विस्फोटक आयुध संदूषण के जोखिमों के बारे में चिंतित हैं, क्योंकि पानी के साथ ये गोला-बारूद उन इलाकों में पहुंचेंगे जिन्हें पहले सुरक्षित माना गया था। इस प्रकार लोगों को आगे ज्यादा तथा अप्रत्याशित खतरा हो सकता है। बांध के टूटने से बिजली उत्पादन पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त, जलाशय के जल स्तर में कोई भी अनियंत्रित कमी जपोरिजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र की सुरक्षा को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी स्थिति पर करीबी नजर रख रही है। अभी तक, तत्काल किसी खतरे की सूचना नहीं मिली है।

यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया है कि खेरसॉन ओब्लास्ट में कम से कम 40 बस्तियां पहले से ही बाढ़ग्रस्त हैं। आने वाले दिनों में यह संख्या बढ़ने की आशंका है। इसका गंभीर प्रभाव रूस द्वारा नियंत्रित क्षेत्रों में भी होने की उम्मीद है, जहां मानवतावादी अभी भी पहुंच हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र और मानवतावादी संगठनों ने पहले ही इस घटना के प्रभाव को दूर करने की कोशिश करने के लिए अभियान तेज कर दिया है। उन्होंने कहा कि 16,000 से अधिक प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया चल रही है।

रूस के सूनसान इलाके में लैंड हुआ एयर इंडिया का विमान, यात्री परेशान

सैनफ्रांसिस्को । एयर इंडिया की सैन फ्रांसिस्को जाने वाली फ्लाइट की रूस में लैंडिंग ने भारत से अमेरिका तक हंगामा खड़ा कर दिया है। मंगलवार को इंजन में तकनीकी खराबी के कारण दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 173 को डायवर्ट कर रूस के मगदान में लैंड कराया गया। इमरजेंसी में हुई लैंडिंग पर अमेरिका अलर्ट है और उसका कहना है कि इस पूरे मामले पर वह नजर बनाए हुए है। मगर जो खबरें आ रही हैं उसके मुताबिक यात्रियों को इस वजह से खासी असुविधा का सामना करना पड़ा। उन्हें जमीन पर सोने के लिए मजबूर होना पड़ा है। एयर इंडिया की तरफ से यह दावा किया गया था कि प्लेन की लैंडिंग के बाद यात्रियों को सभी तरह की सहायता प्रदान की जा रही है। प्रवक्ता की तरफ से कहा गया था कि जल्द से जल्द फ्लाइट को गंतव्य तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक सुविधा प्रदान की जाएगी। एयर इंडिया के मुताबिक फिलहाल विमान की जांच जारी है और यात्रियों को हुई असुविधा के लिए भी खेद जताया गया था। जबकि दावों की सच्चाई को भी झुटलाया जा रहा है। एयर इंडिया के एक बयान के उलट ऐसा लगता है कि इमरजेंसी लैंडिंग के बाद जो यात्री सैन फ्रांसिस्को जा रहे थे उन्हें रूस के मगदान शहर के किसी होटल में नहीं बल्कि शयन गृह में ठहराया गया।

अब अपने एटम बम बेचेगा पाकिस्तान, आईएसआई ने सुझाया कंगाली दूर करने का प्लान, ये 2 मुस्लिम देश बनेंगे खरीदार!

ढाका। (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कटोरा लिए कई देशों में भीख मांगते हुए दिखे, लेकिन इन सब का उन्हें कोई खास फायदा हुआ नहीं। ऐसे में अब पाकिस्तान कंगाली को दूर करने के लिए एटमी प्लान पर अमल कर सकता है। दरअसल पाकिस्तान की आर्थिक हालत को सुधारने और कटोरा पॉलिसी से निजात पाने के लिए आईएसआई के करीबी और राजनीति विश्लेषक हामिज ने सरकार को एक फॉर्मूला दिया है। उन्होंने शहबाज शरीफ सरकार को सुझाव दिया है कि पाकिस्तान को तुर्की और सऊदी अरब को परमाणु बम बेच देने चाहिए।

सऊदी अरब को पांच परमाणु बम बेचने पर एक घंटे में 25 अरब डॉलर मिल जाएंगे। तुर्की पांच परमाणु बम के बदले पाकिस्तान को 20 अरब डॉलर दे देगा। भारत को गजवा ए हिंद के नाम से धमकी देने वाले लाल टोपी के नाम से बदनाम जैद हामिद यही नहीं रुके। बल्कि पाकिस्तान की सरकार को अपनी मिसाइल तक बेचने की सलाह दे डाली। भारत को परमाणु हम की धमकी देने वाले जैद हामिद ने पाकिस्तान की शहबाज सरकार को एटमी हथियार बेचने के लिए एक ठोस रणनीति बनाने की सलाह दी है। उसने दावा किया कि इससे पाकिस्तान की माली हालात ठीक हो जाएगी।

जैद हामिद ने कहा कि घातक हथियारों की ब्रिकी से पाकिस्तान को कभी कर्ज लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उसने गौरी और गजनवी जैसे मिसाइलों तक को बेचने की हिदायत दी। बुलेटिन ऑफ द एटॉमिक साइंटिस्ट की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के पास अभी 165 वारहेड्स का परमाणु जखीरा है। जैद हामिद के दावे के अनुसार पाकिस्तान के 5 वारहेड्स की कीमत 25 अरब डॉलर लगाई जाए तो 20 वॉरहेड्स बेचने पर वो 100 अरब डॉलर हासिल कर लेगा।

चीन से लगी सीमा पर बनी सड़क को मिला एनएच का दर्जा

नई दिल्ली। चीन से लगी सीमा पर बनी सड़क को नेशलन हाईवे का दर्जा मिल गया है। इससे अब भारतीय सेना अब हिमाचल प्रदेश के दो सुदूरवर्ती जिलों से सटी चीन की सीमा तक आसानी से पहुंच सकेगी। टांडी-किल्लार-संसारिनाला मार्ग से लाहौल और किन्नौर की सीमा तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। मिली जानकारी के अनुसार रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस सड़क को केंद्र ने राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) का दर्जा दिया है। टांडी-किल्लार-संसारिनाला सिंगल लेन सड़क को जल्द ही टू लेन बनाया जाएगा। केंद्र ने इसकी डीपीआर को भी मंजूरी दे दी है। इसके बाद भारतीय सेना श्रीनगर से किश्तवाड़ और उधमपुर होते हुए सीधे लाहौर और फिर किन्नौर पहुंच सकेगी। अब वहां जाने के लिए जम्मू और पठानकोट जाने की जरूरत नहीं होगी। अब सेना को लेह के रास्ते से आना पड़ता है। इस दो लेन की सड़क के बन जाने से चंबा जिले के दूरदराज के इलाकों पांगी-किल्लार, किश्तवाड़ सहित लाहौल घाटी के लोगों की आवाजाही भी आसान हो जाएगी। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर इन क्षेत्रों में पर्यटन व्यवसाय को भी पंख लगेंगे। यह सड़क सर्दियों में भी वाहनों की आवाजाही के लिए खुली रहती है, लेकिन एक लेन वाली सड़क होने के कारण भूस्खलन के कारण यह अक्सर अवरुद्ध रहती है। एनएच का दर्जा मिलने के बाद अब सीमा सड़क संगठन की दीपक परियोजना इसे डबल लेन बनाएगी। बताया जा रहा है कि टांडी से थिरोट के बीच 30 किलोमीटर, उदयपुर से टिंडी के बीच 40 से 70 किलोमीटर और शोर से किलाड़ के बीच 96 से 125 किलोमीटर डबल लेन होगी। इसके लिए सीमा सड़क संगठन ने भूमि अधिग्रहण और वन मंजूरी की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

ज्ञानवापी मामले में वादी राखी सिंह ने इच्छामृत्यु की मांग की

प्रयागराज। ज्ञानवापी को लेकर बड़ी खबर सामने आई है, दरअसल मामले में वादी राखी सिंह ने खुला पत्र जारी किया है। उन्होंने हिंदू पक्ष की चार महिला वादिनी व कुछ अधिवक्ताओं पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। साथ ही राष्ट्रपति से इच्छामृत्यु की मांग की है। उनका कहना है कि नौ जून की सुबह नौ बजे तक जवाब का इंतजार करेंगी, फिर आगे का फैसला लेंगी। उन्होंने आरोप लगाकर कहा है कि मुझे और मेरे परिवार को बदनाम किया जा रहा है। इसमें शासन व प्रशासन के लोग भी शामिल हैं। झूठा प्रचार किया गया कि मैं, मुकदमा वापस लेना चाहती हूं। हम मानसिक दबाव झेल रहे हैं। अब बर्दाश्त नहीं हो रहा है। इसके पहले ज्ञानवापी मामले के पैरोकार जितेंद्र सिंह विसेन ने भी मुकदमों से हटने का ऐलान किया था।

गुजरात पर मंडराया समुद्री चक्रवात बिपरजॉय का खतरा

-सौराष्ट्र-कच्छ में अलर्ट जारी, समुद्र में फंसे मछुआरों को लौटने की दी गई सलाह

अहमदाबाद । अरब सागर में आया बिपरजॉय चक्रवात का गुजरात पर खतरा गुजरात पर मंडराया। दक्षिण-पूर्व अरब सागर में चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के आगे बढ़ने के बाद गुजरात के सौराष्ट्र और कच्छ के बंदरगाहों में एक नंबर की सिग्नल का अलर्ट जारी कर दिया गया है। बिपरजॉय तूफान अभी गोवा के पश्चिम-दक्षिण से लगभग 890 किलोमीटर दूर है। इसके उत्तर की तरफ बढ़ने का अनुमान मौसम विभाग में व्यक्त किया है। तूफान के आगे बढ़ने के साथ ही गुजरात में बादल छाए हुए हैं। अनुमान है कि राज्य में तटीय इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। इसी को देखते हुए मछुआरों और किसानों के अलर्ट जारी कर दिया गया है। गुजरात की मौसम विभाग की निदेशक मनोरमा मोहंती ने मीडिया को बताआ कि बिपरजॉय नाम का यह समुद्री चक्रवात अभी अरब सागर में केंद्रित है। यह गुजरात के तटीय इलाकों से काफी दूर है। अगर चक्रवात की दिशा बदलती है तो चक्रवात टल भी सकता है। मोहंती ने कहा कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है। मछुआरों को समुद्र में दूर तक मछली पकड़ने नहीं जाने की हिदायत दी गई है। तो वहीं गुजरात के मौसम जानकार अंबालाल पटेल ने अपने अनुमान में कहा है कि गुजरात पर तूफान का खतरा है। साल 2023 में और भी तूफान आएंगे। यह साल तूफानों का रहने वाला है। चक्रवात बिपरजॉय एक निम्न दबाव का क्षेत्र है, जो वर्तमान में दक्षिण पूर्व अरब सागर के ऊपर है। अगले 48 घंटों में इसके और तीव्र होकर विक्षोभ में बदलने की संभावना है। अगले 72 घंटों में इसके तीव्र होकर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। यह आगे कैसे बढ़ेगा यह साफ नहीं है। मौसम विज्ञानी इस पर नजर रख रहे हैं।। चक्रवात बिपोरजॉय इस मौसम में अरब सागर में बनने वाला पहला चक्रवात है। बांग्लादेश ने बिपरजॉय नाम दिया है। 8 से 10 जून तक कोंकण, गोवा और महाराष्ट्र के तटों पर समुद्र में बहुत ऊंची लहरें उठने की संभावना है। समुद्र में फंसे मछुआरों को तट पर लौटने की सलाह दी गई है।

तमिलनाड : अनुसूचित जाति के सदस्यों के प्रवेश के विरोध को लेकर मंदिर सील किया गया

विल्लुपुरम (तमिलनाडु)। तमिलनाडु में राजस्व अधिकारियों ने विल्लुपुरम जिले के मेलपाथी गांव में श्री धर्मराज द्रौपदी अम्मन मंदिर को बुधवार को सील कर दिया। मंदिर में अनुसूचित जाति (एससी) के सदस्यों के प्रवेश पर विवाद हो गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि विल्लुपुरम राजस्व मंडलीय अधिकारी (आरडीओ) एस रविचंद्रन ने एक प्रमुख जाति के प्रतिनिधियों और एससी सदस्यों के बीच हाल में हुई शांति वार्ता विफल होने के बाद मंदिर को सील करने का आदेश दिया। प्रमुख जाति के लोग मंदिर में दर्शन के लिए अनुसूचित जाति के सदस्यों के प्रवेश का विरोध करते रहे हैं, जबकि अनुसूचित जाति के लोगों का कहना है कि मंदिर में प्रवेश करना उनका अधिकार है। गांव का सौहार्द खराब न हो, इस वजह से जिला प्रशासन ने मुद्दे को सुलझाने के लिए दो वर्गों के बीच शांति वार्ता कराई थी। बातचीत नाकाम रही क्योंकि प्रमुख जाति के लोगों ने अपने रुख से पीछे हटने से इनकार कर दिया। आरडीओ ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 145 (1) के तहत मंदिर को सील करने का आदेश दिया ताकि कानून और व्यवस्था की स्थित पैदा न हो। किसी भी तरह की हिंसक घटना को रोकने के लिए मंदिर में पुलिस बल तैनात किया गया है।

दुनिया की सबसे ऊंची जगह पर पहुंचेंगी बस

कुल्लू। हिमाचल जाने वाले पर्यटकों के लिए अच्छी खबर है। 8 जून से दिल्ली से लेह तक बस सेवा शुरू होने जा रही है। एचआरटीसी इस सेवा को शुरू कर रहा है। दिल्ली से सीधे लेह तक एक ही बस से पहुंचा जा सकेगा। दिल्ली से हरियाणा, पंजाब हिमाचल से लेह लद्दाख तक का सफर अब एक ही बस से संभव होगा। नई बस सेवा के माध्यम से 16500 फीट ऊंचे बारालाचा, 17480 फीट ऊंचे तंगलांगला तथा 16616 फीट ऊंचे लाचुंग दर्रे के खूबसूरत नजारों को आसानी से देखा जा सकेगा। इससे पर्यटकों का सफर आसान होगा। इन क्षेत्रों का पर्यटन भी बढ़ेगा।

कुकी समुदाय के सदस्य पहुंचे दिल्ली, गृह मंत्री के आवास पर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। मणिपुर का कुकी समुदाय न्याय की गुहार लगाने अब दिल्ली पहुंच गया है। यहां गृह मंत्री के आवास के सामने प्रदर्शन करने के बाद चार लोगों को बातचीत के लिए भी बुलाया है। गौरतलब है कि मणिपुर में काफी लंबे समय से हिंसा का मंजर देखने को मिला है। हिंसा में सेकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। हिंसा प्रभावित क्षेत्रों के चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बलों का पहरा है ताकि फिर से कोई अप्रिय घटना न हो सके। मणिपुर के कुकी समुदाय के सदस्यों ने पूर्वोत्तर के राज्य में जारी हिंसा के विरोध में बुधवार को यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां थामे रखी थीं, जिन पर लिखा था कि 'कुकी समुदाय के लोगों के जीवन की रक्षा करें।' प्रदर्शनकारियों ने नारे भी लगाए। पुलिस के मुताबिक, गृह मंत्री के साथ बैठक के लिए चार प्रदर्शनकारियों को उनके आवास के अंदर जाने की अनुमति दी गई, जबकि बाकी को जंतर मंतर भेज दिया गया। गौरतलब है कि मणिपुर में एक महीने पहले भड़की जातीय हिंसा में कम से कम 98 लोगों की जान जा चुकी है और 310 से अधिक लोग घायल हुए हैं। राज्य में फिलहाल कुल 37,450 लोगों ने 272 राहत शिविरों में शरण ले रखी है। मेइती समुदाय द्वारा अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में मणिपुर के पहाड़ी जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद तीन मई को राज्य में पहली बार जातीय हिंसा हुई थी। भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मणिपुर में 3 मई 2023 को मेइतेई लोगों के बीच एक जातीय संघर्ष छिड़ गया, जो इंफाल घाटी में रहने वाले बहुसंख्यक और कुकी और ज़ो लोगों सहित आसपास की पहाड़ियों के आदिवासी समुदाय हैं।

कांग्रेस नेता हुड्डा ने कहा, भाजपा सरकारों का नारा....पिटे किसान, जय धनवान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने बुधवार को केंद्र और हरियाणा की भाजपा सरकारों पर किसान विरोधी होने और हर दिन अपने वादे को तोड़ने का आरोप लगाया। कुरुक्षेत्र शाहबाद में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की मांग कर रहे सूरजमुखी के किसानों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज के बाद कांग्रेस ने आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा, भाजपा ने किसानों पर लाठीचार्ज का आदेश देकर फिर अपना किसान विरोधी चेहरा दिखाया। दस किसान घायल हुए हैं और कई को हिरासत में लिया गया है। जिस क्रूरता के साथ सरकार द्वारा लाठीचार्ज का आदेश दिया गया था, वह ब्रिटिश शासन की क्रूरता जैसी थी।

हुडडा ने कहा कि यह स्पष्ट है कि यह सरकार किसानों, पहलवानों और सशस्त्र बलों की नहीं, बल्कि केवल अमीरों की है। उन्होंने कहा, सरकार ने जय जवान, जय किसान के नारे को पिटे किसान, जय धनवान में बदल दिया है। यह भाजपा का नारा है। यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि खेती पर खर्च की गई राशि वापस हो। दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा, यहां तक कि स्वामीनाथन रिपोर्ट को भी लागू करना बाकी है। किसानों को तीन कृषि बिलों पर विरोध करना पड़ता है और एक साल तक चले विरोध-प्रदर्शन में 750 से अधिक किसानों ने अपनी जान गंवा दी। उसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सामने आए और तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा की। डेढ़ साल बाद भी एमएसपी अभी तक नहीं दिया गया है।

उन्होंने कहा कि कमेटी एमएसपी के लिए बनी थी, लेकिन उसमें एमएसपी का कोई जिक्र ही नहीं था और अफसरशाहों तथा गैर-किसानों सहित चुनिंदा लोग ही कमेटी में शामिल थे। हुड्डा ने कहा, लाठी चार्ज किसानों के विरोध के साथ विश्वासघात का प्रतीक था, क्योंकि वे सूरजमुखी की फसल पर केवल एमएसपी की मांग कर रहे थे। यह भाजपा सरकार के किसान विरोधी चेहरे का प्रतीक भी है और राज्य सरकार द्वारा बैटन शासन का प्रतीक है क्योंकि वहां कोई समुदाय या वर्ग नहीं है जिसने सरकार के बैटन शासन का सामना नहीं किया है।

यह उनकी क्रूरता का प्रतीक है। सरकार वादों को पूरा नहीं करने के अपने रिकॉर्ड तोड़ रही है। हम सरकार से मांग करते हैं कि किसानों को एमएसपी दिया जाए, हिरासत में लिए गए किसानों को रिहा किया जाए, घायलों का इलाज किया जाए और एमएसपी कमेटी का गठन ठीक से किया जाए और किसानों को एमएसपी की उचित कानूनी गारंटी दी जाए।

कुछ प्रदर्शनकारी किसानों ने सड़क पर लगे पुलिस बैरिकेड्स को हटाने की भी कोशिश की। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व हरियाणा बीकेयू-चादुनी के प्रमुख गुरनाम सिंह चादुनी ने किया। खट्टर सरकार ने एमएसपी पर सूरजमुखी बीज की खरीद बंद करने और भावांतर भरपाई योजना के तहत 1,000 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीद करने का फैसला किया था। किसानों का कहना है कि वे 6,400 रुपये के एमएसपी के मुकाबले निजी खरीदारों को 4,000 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से उपज बेच रहे हैं।

केजरीवाल को मिला सेवाओं के नियंत्रण संबंधी अध्यादेश के खिलाफ अखिलेश यादव का साथ

लखनऊ। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिलकर राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं के नियंत्रण संबंधी केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ उनका समर्थन मांगा जिस पर अखिलेश ने कहा, 'मेरी पार्टी आपके साथ है।' अखिलेश यादव, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा, 'यदि राज्यसभा में यह अध्यादेश गिर जाता है तो इससे 2024 के चुनाव से पूर्व एक बड़ा संदेश जाएगा।' अखिलेश के साथ बैठक के बाद केजरीवाल ने कहा, 'यदि भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) विरोधी सभी पार्टियां

एकजुट हो जाती हैं और राज्यसभा में, जहां भाजपा बहुमत में नहीं हैं, इस अध्यादेश को हरा देती हैं तो इससे देश को एक बड़ा संदेश जाएगा।' उन्होंने कहा कि राज्यसभा में भाजपा के पास केवल 93 सीटें हैं, यदि भाजपा विरोधी सभी पार्टियां एकजुट होती हैं और इस अध्यादेश को हरा दिया जाता है तो यह 2024 का 'सेमीफाइनल' होगा। केजरीवाल ने कहा कि हमने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ चर्चा की और हम उनका धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने हमें आश्वस्त किया है कि वे राज्यसभा में हमारा समर्थन करेंगे। सपा प्रमुख ने आम आदमी पार्टी (आप) को समर्थन देने का आश्वासन दिया और इस अध्यादेश को लोकतंत्र विरोधी करार दिया। यादव ने कहा, ''मेरी पार्टी आपके साथ है।'' उल्लेखनीय है कि 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल इस अध्यादेश के खिलाफ भाजपा विरोधी दलों का समर्थन लेने के लिए उनसे संपर्क कर रहे हैं ताकि जब इसे संसद में लाया जाये तो यह गिर जाए।

भाजपा के खिलाफ देश में विरोधी लहर, लोग आम चुनाव में बदलाव कर सकते हैं : पवार

मोदी सरकार में गडकरी पंसदीदा मंत्री

चंडीगढ़। (एजेंसी)। मुंबई (ईएमएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने दावा किया कि वर्तमान में भाजपा विरोधी लहर है और देश के लोग कर्नाटक में हाल के विधानसभा चुनावों के परिणामों को देखकर बदलाव चाहते हैं। पवार ने कहा कि अगर लोगों की यह सोच जारी रहती है तब देश आगामी चुनावों में बदलाव देखेगा। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में छोटी-छोटी घटनाओं को धार्मिक रंग दिया जा रहा है, जो अच्छा संकेत नहीं है।

पवार ने कहा, कर्नाटक चुनाव के परिदृश्य को देखते हुए, मुझे लगता है कि भाजपा विरोधी लहर चल रही है। कर्नाटक चुनाव के नतीजों को देखते हुए लोग बदलाव के मूड में हैं। अगर लोगों की यही सोच बनी रही, तब आने वाले चुनाव में देश में बदलाव आएगा। यह बताने के लिए किसी ज्योतिषी की जरूरत नहीं है। लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव एक साथ करने की संभावना के बारे में राकांपा प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी और सहयोगी दलों के कई लोगों का भी यही मत है।

महाराष्ट्र में प्रचारित किए जा रहे तेलंगाना मॉडल (किसानों को वित्तीय सहायता देने) पर पवार ने कहा, तेलंगाना मॉडल की जांच होनी चाहिए। लेकिन, तेलंगाना एक छोटा राज्य है और एक छोटे से राज्य में इस तरह की सहायता की घोषणा की जा सकती है। लेकिन, मुझे लगता है कि बुनियादी ढांचे के कामों (खेती से संबंधित) पर अधिक धन खर्च किया जाना चाहिए। हाल के दिनों में महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति और हिंसा की कुछ घटनाओं के बारे में पूछने पर, पवार ने दावा किया कि राज्य में कुछ छोटे मुद्दों को धार्मिक रंग दिया जा रहा है।

अगर सत्ता पक्ष और उनके लोग इन बातों को लेकर सड़कों पर उतर आते हैं तथा दो धर्मों के बीच दरार पैदा करते हैं, तब यह शुभ संकेत नहीं है। उन्होंने दावा किया, अगर औरंगाबाद में (किसी व्यक्ति का) पोस्टर दिखाया जाता है, तब पुणे में हिंसा की क्या जरूरत है। लेकिन ऐसा होने दिया जा रहा है। पवार ने आरोप लगाया, हाल ही में हमने अहमदनगर के बारे में सुना। आज मैंने कोल्हापुर से एक खबर देखी।

लोग सड़कों पर निकल आए और फोन पर संदेश भेजने की एक छोटी सी घटना को धार्मिक रंग देना अच्छा संकेत नहीं है। सत्ताधारी दल ऐसी बातों को बढ़ावा दे रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के मद्देनजर केंद्र में उनका पसंदीदा मंत्री कौन है, पवार ने कहा, कुछ हैं जिनका काम निर्विवाद है। उदाहरण के लिए, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी।

सीबीआई ने समीर वानखेड़े को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत देने वाले आदेश को वापस लेने कहा

मुंबई। (एजेंसी)। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बंबई उच्च न्यायालय से एनसीबी के मुंबई जोन के पूर्व निदेशक समीर वानखेड़े को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत देने वाला आदेश वापस लेने का अनुरोध किया है और कहा है कि पहली नजर में उनके खिलाफ वसूली और रिश्वतखोरी का मामला बनता है। वानखेड़े के खिलाफ यह मामला एक क्रूज से कथित रूप से मादक पदार्थ जब्ती के बाद अभिनेता शाहरुख खान के पुत्र आर्यन खान की गिरफ्तारी से जुड़ा है।

सीबीआई ने आर्यन खान को मादक पदार्थों से जुड़े मामले में नहीं फंसाने के एवज में कथित रूप से 25 करोड़ रुपये की मांग करने को लेकर वानखेड़े और चार अन्य लोगों के खिलाफ पिछले महीने प्राथमिकी दर्ज की थी। वानखेड़े उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने और किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से बचाव का अनुरोध लेकर उच्च न्यायालय पहुंच गए थे। उच्च न्यायालय की अवकाश पीठ ने पिछले महीने वानखेड़े को अंतरिम राहत दिया था और उन्हें जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया था। सीबीआई ने वानखेड़े की याचिका के जवाब में दो जून को हलफनामा दायर किया और अदालत से उनको मिली अंतरिम राहत वापस लेने तथा याचिका खारिज करने का अनुरोध किया।

एजेंसी ने कहा, ''सीबीआई के पास पहली नजर में मामला बनता है और किसी भी प्रकार का अंतरिम राहत दिए जाने से जांच पर प्रतिकूल प्रभाव होगा। इसलिए, ससम्मान अनुरोध किया जाता है कि याचिकाकर्ता (वानखेड़े) को गिरफ्तारी से प्राप्त अंतरिम राहत को वापस लिया जाए।'' सीबीआई ने अपने हलफनामे में कहा कि उसने स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा 11 मई, 2023 को जारी लिखित शिकायत के आधार पर वानखेड़े के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। हलफनामे में कहा गया है, ''सीबीआई को प्राप्त लिखित शिकायत में दंडनीय अपराध होने की बात कही गई है इसलिए समीर वानखेड़े के खिलाफ सामान्य मामला दर्ज किया गया है।'' हलफनामे में कहा गया है, ''प्राथमिकी में उल्लिखित आरोप गंभीर और संवेदनशील प्रकृति के हैं और यह एनसीबी के तत्कालीन सरकारी अधिकारियों द्वारा भ्रष्टाचार, आपराधिक षड्यंत्र और धमकी देकर वसूली से जुड़े हैं।''

चक्रवाती तूफान बिपारजॉय से तटीय राज्यों में मच सकती है तबाही

-कोंकण के तटीय क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार दक्षिणपूर्व अरब सागर के ऊपर बना गहरे दबाव का क्षेत्र मंगलवार शाम चक्रवाती तूफान 'बिपरजॉय' में बदल गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने संभावना जताई है कि अगले 6 घंटों के दौरान बिपरजॉय उत्तर की तरफ बढ़ जाएगा। आईएमडी ने बुधवार को इसे लेकर चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के मुताबिक इसके चलते 24 घंटे में कोंकण के तटीय इलाके रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदर्ग के अलावा मुंबई, ठाणे व पालघर में तेज हवाओं के साथ बारिश देखने को मिल सकती है। चक्रवात 'बिपारजॉय' एक निम्न दबाव का क्षेत्र है, जो वर्तमान में दक्षिण पूर्व अरब सागर के ऊपर बना हुआ है। इसके अगले 48 घंटों में और तीव्र होकर डिप्रेशन में बदलने की आशंका है और बाकी के 72 घंटों में चक्रवाती तूफान अपनी तीव्रता तक पहुंच सकता है। चक्रवात का ट्रैक अभी स्पष्ट नहीं है। चक्रवात 'बिपारजॉय' इस मौसम में अरब सागर में बनने वाला पहला चक्रवात है। 'बिपरजॉय' नाम बांग्लादेश द्वारा दिया गया है। कोंकण, गोवा व महाराष्ट्र तट पर 8 से 10 जून तक समुद्र में बहुत ऊंची लहरें उठने की संभावना है। समुद्र में उतरे मछुआरों को तट पर लौटने की सलाह दी गई है।

ओडिशा ट्रेन दुर्घटना के कारणों को दबाने की कोशिश कर रहा है केंद्र, ममता बनर्जी ने साधा मोदी सरकार पर निशाना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भाजपा शासित केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि ओडिशा में ट्रेन दुर्घटना के कारणों को दबाने की कोशिश की जा रही है। बनर्जी ने दावा किया कि बालासोर में दो जून को हुई भीषण रेल दुर्घटना की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रहा है लेकिन साक्ष्यों को पहले ही हटाया जा चुका है।

वह ओडिशा के बालासोर जिले में हुई दुर्घटना में मारे गए या घायल हुए राज्य के निवासियों के परिजनों को चेक और नियुक्ति पत्र सौंपने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रही थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस घटना में पश्चिम बंगाल के 103 लोग मारे गए थे और उनमें से अब तक 86 की पहचान की जा सकी है। उसने यह भी कहा कि 172 को गंभीर चोटें आईं जबकि 635 को मामूली चोटें आईं। बनर्जी ने कहा, 'बालासोर हादसे के पीछे की वजह को दबाने की कोशिश हो रही है, दिल्ली ने 14-16 नगर पालिकाओं में सीबीआई भेजी है।'

केंद्रीय जांच एजेंसी ने नगर निकायों में भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में बुधवार को पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर छापेमारी की। मुख्यमंत्री ने कहा, 'आप (भाजपा सरकार) सच को दबा नहीं पाएंगे। मैं चाहती हूं कि सच सामने आए। हादसे में घायल व मारे गए लोगों के परिजन भी हादसे का कारण जानना चाहते हैं। इसके लिए दोषी लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।' उन्होंने कहा, 'मैंने पिछले कुछ दिनों में कटक और भुवनेश्वर के विभिन्न अस्पतालों में इलाज करा रहे घायल ट्रेन दुर्घटना पीड़ितों को सहायता प्रदान करने के लिए दो बार ओडिशा का दौरा किया है।' इस ट्रेन दुर्घटना में कुल मिलाकर, 288 लोग मारे गए और 1,200 से अधिक घायल हो गए थे।

ओडिशा में 39 मृतकों के परिजनों के लिए 1.95 करोड़ रुपए की मंजूरी

-सीएम पटनायक का बयान, स्थानीय लोगों ने बचाई एक हजार से ज्यादा लोगों की जानें

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा है कि यहां स्थानीय लोगों ने लगभग एक हजार लोगों की जान बचाने में मदद की है। उन्होंने मंगलवार को बहनागा ट्रेन हादसे में अब तक पहचाने गए ओडिशा के 39 मृतकों के परिजनों के लिए 1।95 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। यह पैसा मुख्यमंत्री राहत कोष से दिया जा रहा है। सीएम नवीन पटनायक ने दावा किया कि प्रदेश के लोगों ने बालासोर रेल हादसे में 1,000 से ज्यादा लोगों की जान बचाई है। उन्होंने कहा कि हमने इस भयावह हादसे में देखा कि किस तरह से स्थानीय लोग रेस्क्यू में लगे थे। साथ ही अस्पतालों में रक्तदान के लिए लंबी-लंबी कतारें देखी गईं, ये तस्वीरें अमूल्य हैं। त्रासदी में जान गंवाने वालों की याद में एक मिनट का मौन रखने के बाद पटनायक ने कहा कि स्थानीय लोगों के प्रयासों ने ओडिशा के लोगों की करुणा और मानवता को प्रकट किया है। ओडिशा के लोगों ने मानवता की मिसाल पेश की है। सीएम पटनायक ने कहा कि हादसे के बाद डॉक्टर, मेडिकल छात्र और आम जनता सभी ने जितना हो सक उतना किया और एक हजार से अधिक लोगों की जान बचाई है।

ट्रेन हादसे को याद करते हुए सीएम ने कहा कि बालासोर में हुई त्रासदी से हर कोई वाकिफ है जिसने देश, यहां तक कि दुनिया को हिला कर रख दिया था। यह बहुत दुख का समय है, लेकिन, इस दुर्घटना ने ओडिशा की ताकत, संकट के समय उम्मीदों पर खरा उतरने की उसकी क्षमता को साबित कर दिया है। जिनको सीएम राहत कोष से सहायता प्रदान की गई उन मृतकों में भद्रक के आठ, जाजपुर के दो, बालासोर के 14, मयूरभंज के नौ, खोरधा के दो, कटक के तीन और क्योंझर के एक व्यक्ति शामिल हैं। सहायता राशि का वितरण शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री ने इससे पहले ओडिशा के प्रत्येक मृतक के निकटतम रिश्तेदार को पांच - पांच लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की थी।

गौरतलब है कि ओडिशा सरकार ने बालासोर ट्रेन दुर्घटना में मरने वालों की संख्या में मंगलवार को बदलाव किया और हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या अब 288 हो गई है। पत्रकारों से मुख्य सचिव पीके जेना ने कहा, सोमवार तक 275 मौतों की पुष्टि की गई थी और शवों के सत्यापन के बाद यह संख्या बढ़कर 288 हो गई है। जेना ने कहा कि कुल 288 शवों में से अब तक 205 शवों की पहचान हो चुकी है और उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि शेष 83 शवों को पहचान के लिए एम्स-भुवनेश्वर और अन्य अस्पतालों में रखा गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दो बेटियों के साथ मिलकर पत्नी ने पति की हत्या कर पड़ौसी और परिवार को किया गुमराह

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

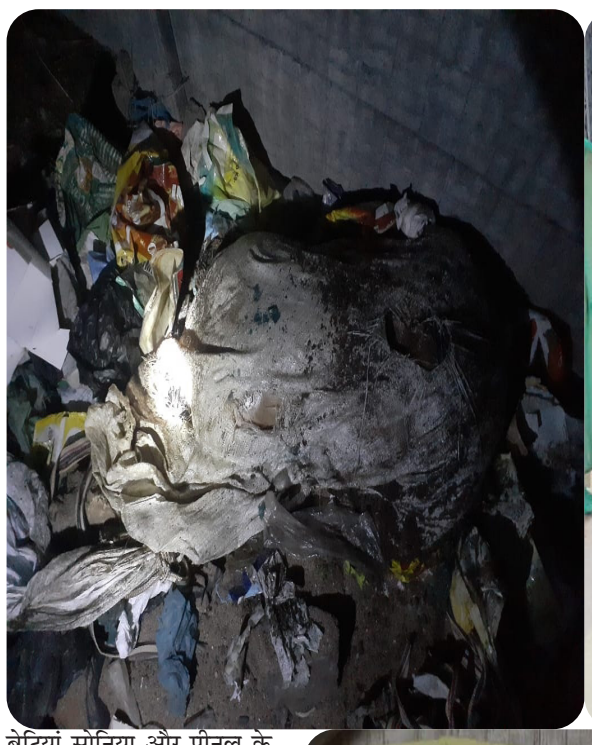

सूरत,दो बेटियों के साथ मिलकर एक महिला ने अपने पति की हत्या कर दी और पड़ौसी व परिवार को गुमराह कर फरार हो गई। सच्चाई सामने आने के बाद स्थानीय पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश शुरू की है। घटना सूरत जिले की मांगरोल तहसील के पिपोदरा गांव स्थित उमंग रेसिडेन्सी की है। जहां उडीसा के मूल निवासी 50 वर्षीय नरेश तुष्टि नायक पत्नी और दो बेटियों के साथ रहते थे। लूम्स की फैक्ट्री में काम कर परिवार का गुजर बसर करने वाले नरेश तुष्टि का शव उनके घर के निकट से प्लास्टिक के एक बोरे से बरामद होने के बाद सनसनी फैल गई। खबर पाते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी। जांच में खुलासा हुआ कि नरेश तुष्टि नायक की हत्या चार-पांच दिन पहले ही कर दी गई थी। पुलिस ने नरेश तुष्टि के पड़ौस में रहनेवाले मोहमद याकूब उर्फ मुन्ना मोहमद हदीश से पूछताछ की। जिसमें उसने बताया कि नरेश तुष्टि उडीसा के कंदमाल जिले का मूल निवासी था और वह यहां पत्नी सविता दो बेटियां सोनिया और पीनल के साथ रहता था। गत दो तारीख को नरेश तुष्टि फोन कर बताया था कि वह उडीसा जाने वाला है तो उसे स्टेशन छोड़ देना। गत तीन तारीख सविता अपनी दो बेटियों के साथ घर के दरवाजे पर रो रही थी। जब उससे पूछा तो उसने बताया कि उडीसा में उसके ससुर गुजर रहे हैं और नरेश तुष्टि नायक सुबह ही रवाना हो गए हैं। हम लोगों को भी उडीसा जाना है आप टिकट निकलवा दो। मोहमद याकूब ने बताया कि उसके बाद मैंने उन लोगों का टिकट निकलवाया और स्टेशन भी छोड़कर आया।

5 तारीख को मृतक नरेश तुष्टि नायक परिजन अनिल प्रताप नामक युवक आया और कहा कि मेरी चाची सविता ने बताया है कि नरेश तुष्टि उडीसा रेलवे स्टेशन पर दुर्घटना में गुजर गए हैं। जिसे सुनकर हम सभी पड़ौसी चौंक गए। नरेश तुष्टि नायक का जब फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया तो उसका मोबाइल स्वीच ऑफ आ रहा था। पुलिस ने एफएसएल की मदद से मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही नरेश तुष्टि की पत्नी सविता नायक की तलाश शुरू कर दी है।

होम डिलीवरी करने आए विधर्मी युवक ने युवती से छेड़छाड़ की,पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, बेखौफ होकर घूमते सड़क छाप रोमियों की हरकतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। सूरत में होम डिलीवरी करने आए एक विधर्मी शख्स ने युवती के साथ छेड़छाड़ की। युवती के चीखने चिल्लाने पर आसपास के लोग जमा हो गए और शख्स की अच्छे से खातिरदारी करने के बाद पुलिस को सौंप दिया। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और ऑनलाइन खरीदी के चलते होम डिलीवरी का प्रमाण काफी बढ़ गया है। ऐसे में अब होम डिलीवरी मैन से भी सावधान रहने की घटना सूरत में सामने आई है। सूरत के भटार क्षेत्र के उमरावनगर निवासी एक युवती ने ऑनलाइन सामान मंगवाया था। डिलीवरी करने आए शख्स ने युवती को अकेला पाकर उसके साथ छेड़छाड करन का प्रयास किया। हांलाकि युवती के चीखने चिल्लाने पर आसपास के लोग जमा हो गए और डिलीवरी बॉय को पकड़कर उसकी अच्छी खातिरदारी की और बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही शुरूकी है।

वर्षाऋतु से पहले राज्य के किसानों के लिए गुजरात सरकार का बड़ा ऐलान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात सरकार ने राज्य के किसानों के लिए बड़ा ऐलान किया है। बिजली कनैक्शन और पानी को लेकर राज्य के ऊर्जा मंत्री कनु देसाई ने बताया कि वर्षा ऋतु से पहले राज्य के किसानों के लिए इस साल महत्वपूर्ण फैसला किया है। जिसके मुताबिक खेत तालाब के पानी को सिंचाई में उपयोग करने के लिए किसानों का बिजली कनैक्शन दिया जाएगा। जहां भी खेत तालाब होंगे, वहां बिजली कनैक्शन दिया जाएगा। खेत तालाब के लिए बिजली कनैक्शन के साथ डीप ईरिगेशन की सब्सिडी और सूक्ष्म सिंचाई के लिए पांच हेक्टर के कनैक्शन देने का राज्य सरकार महत्वपूर्ण फैसला किया है। सरकार ने यह फैसला खासकर उत्तर गुजरात, कच्छ और सौराष्ट्र के लिए किया है। उन्होंने बताया कि बिजली कनैक्शन सामान्य चार्ज से दिया जाएगा। बरसाती पानी का संग्रह करने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने यह फैसला किया है। खेत तालाब के पानी से असिंचित क्षेत्र भी हरियाला बनेगा। खेत तालाब के लिए बिजली कनैक्शन से बनासकांठा को फायदा होगा। गौरतलब है कई इलाकों में भूजलस्तर काफी नीचे चला गया है। खेत तालाब और होज में पानी का संग्रह हुआ है। खेत तालाब से पानी प्राप्त करने के लिए 5 होर्स पावर की मोटर के लिए कनैक्शन दिया जाएगा। यह लंबी अवधि की योजना है जिसमें सूक्ष्म सिंचाई योजना के अंतर्गत बिजली कनैक्शन दिया जाएगा।

मामूली बात पर दो गुटों के बीच घर्षण, पांच लोग घायल, जांच में जुटी पुलिस

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पाटन, मौजूदा दौर में लोगों में असहिष्णुता इस कदर बढ़ रही है कि मामूली बात पर कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं। भले ही चाहे उसका अंजाम कुछ भी हो। ऐसी एक घटना सामने आई है, जिसमें भोजन के मुद्दे के दो गुट आपस में भीड़ गए। इस घटना में पांच लोगों के घायल होने की खबर है। स्थानीय पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए दोनों गुटों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। घटना पाटन जिले के राधनपुर की है। राधनपुर के लाटीबाजार क्षेत्र की एक होटल में देर रात भोजन करने के मुद्दे पर दो गुटों के घर्षण हुआ। इस घटना में पांच लोग घायल ह गए,

जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खबर पाते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और हालात पर काबू पाया। साथ ही दोनों गुटों के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरूकी है।

गुजरात कांग्रेस संगठन में फेरबदल की संभावना, मोढवाडिया और शैलेष परमार दिल्ली में

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा के चुनाव में शर्मनाक हार के बाद कांग्रेस हाईकमांड प्रदेश संगठन को लेकर हरकत में आ गया है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के नए प्रमुख की पसंदगी के लिए दिल्ली में मंथन किया जा रहा है। जिसके लिए गुजरात कांग्रेस के विधायक अर्जुन मोढवाडिया, शैलेष परमार, पूर्व विधायक हिम्मतसिंह परमार और पार्टी के नेता दीपक बाबरिया भी दिल्ली पहुंच गए हैं। दिल्ली में गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजों के बारे में सत्य शोधक समिति की रिपोर्ट पर चर्चा की जाएगा। दिल्ली में कांग्रेस हाईकमांड और गुजरात के नेताओं के बीच चर्चा होगी। बता दें कि पिछले साल हुए गुजरात विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस की शर्मनाक हुई थी। गुजरात विधानसभा की 182 सीटों पर हुए चुनाव में कांग्रेस केवल 17 सीटों पर सिमट गई थी। जबकि भाजपा ने 156 सीटों के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। गुजरात विधानसभा के चुनाव में इतनी बुरी हार कभी नहीं हुई।

पीएम मोदी की डिग्री मामला: 13 जुलाई को अदालत में पेश हो केजरीवाल और संजय सिंह

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर, अहमदाबाद की एक अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री के संबंध में ''व्यंग्यपूर्ण और अपमानजनक टिप्पणी को लेकर आपराधिक मानहानि के मामले में 13 जुलाई को अदालत के सामने पेश होने को कहा है। आप के दोनों नेताओं को इसके पहले मेट्रोपोलिटन अदालत ने सात जून को उसके समक्ष पेश होने के लिए समन किया था। गुजरात विश्वविद्यालय (जीयू) ने दोनों के खिलाफ मामला दायर करवाया है। केजरीवाल और सिंह की ओर से बुधवार को पेश हुए उनके वकीलों ने अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट जयेश चोवटिया की अदालत में अपने-अपने मुवक्किलों को पेशी से छूट का अनुरोध करते हुए एक अर्जी देकर शिकायत से संबंधी दस्तावेज देने का अनुरोध किया।

गुजरात विश्वविद्यालय की ओर से पेश हुए वकील अमित नायर ने कहा, केजरीवाल और सिंह की ओर से उनके वकील बुधवार को अदालत में पेश हुए और अदालती दस्तावेज देने का अनुरोध करते हुए अर्जी दी है। अदालत ने उन्हें ये दस्तावेज मुहैया करा दिए...उन्होंने अदालत में अपने मुवक्किलों की अदालत में पेशी से छूट का अनुरोध करते हुए आवेदन भी दिया।

उन्होंने कहा कि अदालत ने पेशी से छूट के आवेदन को स्वीकार करते हुए सांसदों और विधायकों के खिलाफ त्वरित सुनवाई के लिए एक परिपत्र का जिक्र कर पूछा कि वे कब तक उपस्थित हो सकते हैं। प्रतिवादियों ने कहा कि वे याचिका को लेकर बयान दर्ज कराने के लिए 13 जुलाई को उपस्थित रहने वाले हैं। इससे पहले, अदालत ने प्रथम दृष्टया दोनों आप नेताओं के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 500 (मानहानि) के तहत मामला पाकर उन्हें समन किया था। प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री पर गुजरात हाईकोर्ट द्वारा मुख्य सूचना आयुक्त के आदेश को खारिज किए जाने के बाद गुजरात विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार पीयूष पटेल ने दोनों नेताओं की टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ मानहानि का मामला दायर करवाया।

शिकायतकर्ता ने कहा कि उन्होंने प्रेसवार्ता और ट्विटर पर पीएम मोदी की डिग्री को लेकर विश्वविद्यालय को निशाना बनाते हुए ''अपमानजनक बयान दिए, गुजरात विश्वविद्यालय के खिलाफ उनकी टिप्पणी मानहानिकारक है और इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाना था।

गुजरात पर मंडराया समुद्री चक्रवात बिपरजॉय का खतरा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद (ईएमएस)। अरब सागर में आया बिपरजॉय चक्रवात का गुजरात पर खतरा गुजरात पर मंडराया। दक्षिण-पूर्व अरब सागर में चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के आगे बढ़ने के बाद गुजरात के सौराष्ट्र और कच्छ के बंदरगाहों में एक नंबर की सिग्नल का अलर्ट जारी कर दिया गया है। बिपरजॉय तूफान अभी गोवा के पश्चिम-दक्षिण से लगभग ८९० किलोमीटर दूर है। इसके उत्तर की तरफ बढ़ने का अनुमान मौसम विभाग में व्यक्त किया है। तूफान के आगे बढ़ने के साथ ही गुजरात में बादल छाए हुए हैं। अनुमान है कि राज्य में तटीय इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। इसी को देखते हुए मछुआरों और किसानों के अलर्ट जारी कर दिया गया है। गुजरात की मौसम विभाग की निदेशक मनोरमा मोहंती ने मीडिया को बताआ कि बिपरजॉय नाम का यह समुद्री चक्रवात अभी अरब सागर में दबाव का क्षेत्र है, जो वर्तमान में दक्षिण पूर्व अरब सागर के ऊपर है। अगले ४८ घंटों में इसके और तीव्र होकर विक्षोभ में

सौराष्ट्र-कच्छ में अलर्ट जारी, समुद्र में फंसे मछुआरों को लौटने की दी गई सलाह

केंद्रित है। यह गुजरात के तटीय इलाकों से काफी दूर है। अगर चक्रवात की दिशा बदलती है तो चक्रवात टल भी सकता है। मोहंती ने कहा कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है। मछुआरों को समुद्र में दूर तक मछली पकड़ने नहीं जाने की हिदायत दी गई है। तो वहीं गुजरात के मौसम जानकार अंबालाल पटेल ने अपने अनुमान में कहा है कि गुजरात पर तूफान का खतरा है। साल २०२३ में और भी तूफान आएंगे। यह साल तूफानों का रहने वाला है। चक्रवात बिपरजॉय एक निम्न बदलने की संभावना है। अगले ७२ घंटों में इसके तीव्र होकर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। यह आगे कैसे बढ़ेगा यह साफ नहीं है। मौसम विज्ञानी इस पर नजर रख रहे हैं।। चक्रवात बिपोरजॉय इस मौसम में अरब सागर में बनने वाला पहला चक्रवात है। बांग्लादेश ने बिपरजॉय नाम दिया है। ८ से १० जून तक कोंकण, गोवा और महाराष्ट्र के तटों पर समुद्र में बहुत ऊंची लहरें उठने की संभावना है। समुद्र में फंसे मछुआरों को तट पर लौटने की सलाह दी गई है।